'ब्रिक्स' ने पहलगाम हमले की निंदा की,मोदी बोले- यह अटैक इंसानियत पर चोट,ट्रम्प की धमकी- ब्रिक्स से जुड़े तो एक्स्ट्रा टैरिफ लगेगा

नयी दिल्ली। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें 'ब्रिक्स' सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। पीएम ने कहा, '20वीं सदी में बनाई गईं वैश्विक संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होता। 20वीं सदी के टाइपराइटर 21वीं सदी के 1. 'ब्रिक्स' की असली ताकत है इसकी विविधता पीएम मोदी ने कहा कि 'ब्रिक्स' देशों की अलग-अलग सोच और बहुध्रुवीय दुनिया में भरोसा ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। 2. न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) को सोच-समझकर निवेश करना चाहिए उन्होंने कहा कि बैंक को सिर्फ उन्हीं प्रोजेक्ट्स में पैसा लगाना चाहिए जो जरूरी हों, लंबे समय तक फायदे वाले हों और जिससे बैंक की साख बनी रहे।3. विज्ञान और रिसर्च के लिए साझा प्लेटफॉर्म बनाने का सुझाव। पीएम मोदी ने एक ऐसा 'ब्रिक्स' रिसर्च सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा, जहां सब देश मिलकर विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर काम कर सकें। 4. संसाधनों का गलत इस्तेमाल न हो मोदी ने कहा कि किसी देश को यह हक नहीं कि वो किसी भी संसाधन को सिर्फ अपने फायदे के लिए या हथियार की तरह इस्तेमाल करे। 5. डिजिटल कंटेंट पर कंट्रोल जरूरी उन्होंने कहा कि हमें ऐसा सिस्टम बनाना चाहिए जिससे पता चले कि कोई डिजिटल जानकारी असली है या नहीं, वो कहां से आई, और उसका गलत इस्तेमाल न हो। 6. भारत में होगा एआई इम्पैक्ट समिट पीएम मोदी ने बताया कि भारत जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक बड़ा सम्मेलन करेगा, जिसमें इसकी चुनौतियों और अच्छे उपयोग पर चर्चा होगी। ट्रम्प की 'ब्रिक्स' से जुड़ने वाले देशों पर 10फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ की धमकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'ब्रिक्स' से जुड़ने वाले देशों को धमकी दी। उन्होंने रविवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि जो भी देश अमेरिका विरोधी 'ब्रिक्स' नीतियों के साथ खुद को जोड़ेंगे, उन पर 10फीसदी तिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इसमें किसी को भी छूट नहीं मिलेगी।ब्रिक्स देशों के जॉइंट घोषणा पत्र की प्रमुख बातें... नए सदस्य

और भागीदार देशः इंडोनेशिया को ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बनाया गया।बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, नाइजीरिया, मलेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, युगांडा, और उज्बेकिस्तान को ब्रिक्स भागीदार देश के रूप में शामिल किया गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत और ब्राजील की भूमिकाः चीन और रूस ने संयुक्त राष्ट्र, खासतौर पर सुरक्षा परिषद में भारत और ब्राजील की बड़ी भूमिका का समर्थन किया। जलवायु परिवर्तन और कॉप30: ब्रिक्स देशों ने कॉप 30 की सफलता के लिए प्रतिबद्धता जताई, जो यूएनएफसीसीसी और पेरिस समझौते को लागू करने में मदद करेगा। भारत की 2028 में कॉप 33 की मेजबानी की उम्मीदवारी का स्वागत किया गया। ब्रिक्स अध्यक्षताः ब्राजील की 2025 की अध्यक्षता की सराहना की गई।भारत को 2026 में ब्रिक्स अध्यक्षता और 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए समर्थन दिया गया। अवैध प्रतिबंधों की निंदाः ब्रिक्स देशों ने उन एकतरफा प्रतिबंधों की निंदा की जो अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ हैं ग्लोबल ट्रेडः एकतरफा टैरिफ लगाने के फैसलों पर चिंता जताई गई, जो विश्व व्यापार संगठन नियमों के खिलाफ हैं।पारदर्शी, और समावेशी ट्रेड सिस्टम का समर्थन किया गया, जिसमें विकासशील देशों से बिना भेदभाव का व्यवहार शामिल है। आतंकवाद के खिलाफ एकजुटताः आतंकवाद को किसी धर्म, देश, सभ्यता या जातीय समूह से जोड़ने से इनकार किया गया।22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की कड़ी निंदा की गई।संयुक्त राष्ट्र की तरफ से घोषित आतंकवादियों और आतंकी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की गई।आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस और दोहरे मापदंड को खारिज करने पर जोर दिया गया। बिग कैट्स अलायंसः भारत की 'इंटरनेशनल बिग कैट्स अलायंस' पहल का स्वागत किया गया, जिसका मकसद दुर्लभ प्रजातियों, खासकर बड़ी बिल्लियों (जैसे शेर, बाघ) के संरक्षण के लिए सहयोग करना है। न्यू डेवलपमेंट बैंक एनडीबी की ग्लोबल साउथ में विकास और आधुनिकीकरण के लिए बढ़ती भूमिका की सराहना की गई।बैंक की लोकल करेंसी फाइनेंसिंग, इनोवेशन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का समर्थन बढ़ाने की बात कही गई।ग्लोबल साउथ के साथ भेदभावः पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल साउथ डेवलपमेंट, रिसोर्स डिस्ट्रीब्यूशन और सुरक्षा जैसे मुद्दों में दोहरे मापदंड का शिकार रहा है। ग्लोबल साउथ के हितों को प्राथमिकता नहीं दी गई, लेकिन भारत हमेशा मानवता के हित में अपने स्वार्थों से ऊपर उठकर काम करता है। ब्रिक्स का विस्तार और सुधारः ब्रिक्स का विस्तार और नए देशों का शामिल होना इसकी समय के साथ बदलने की क्षमता को दर्शाता है। पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन और न्यू डेवलपमेंट बैंक में सुधार की जरूरत पर बल दिया। आतंकवाद पर कड़ा रुखः- पीएम मोदी ने आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बताया। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला भारत की आत्मा, पहचान, और गरिमा पर हमला है, जो पूरी मानवता के खिलाफ है। आतंकवाद पर सख्ती की मांगः- आतंकवाद की निंदा को सिद्धांत बनाना चाहिए, न कि सुविधा के आधार पर। आतंकियों पर प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता। व्यक्तिगत या राजनीतिक फायदे के लिए आतंकवाद को मौन समर्थन देना स्वीकार नहीं किया जा सकता है। शांति और सहयोग पर जोरः- पश्चिम एशिया से यूरोप तक फैले विवाद और तनाव पर चिंता जताई, खासतौर से गाजा की स्थिति पर।भारत, बुद्ध और गांधी की धरती है, वह युद्ध और हिंसा को खारिज करता है। शांति ही मानवता के कल्याण का एकमात्र रास्ता है।भारत दुनिया को विभाजन और संघर्ष से दूर ले जाने और संवाद, सहयोग, और एकता की दिशा में ले जाने की हर कोशिश का समर्थन करता है। भारत सभी मित्र देशों के साथ सहयोग और साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है।ब्राजील के रियो डी जनेरियो शहर में 17वीं 'ब्रिक्स' समिट हो रही है। रविवार को पीएम मोदी इसमें शामिल हुए हैं। वे ब्राजील के 3 दिनों के दौरे पर हैं। सोमवार यानी आज शाम वे 'ब्रिक्स' के पर्यावरण से जुड़े फोरम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वे राजकीय दौरे पर राजधानी ब्रासीलिया भी जाएंगे। ब्रासीलिया में पीएम मोदी राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा से द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और ब्राजील आज चार समझौतों पर साइन करेंगे। रिन्यूवल एनर्जी आतंकवाद विरोधी सहयोग कृषि अनुसंधान गोपनीय जानकारियों का आदान-प्रदान 'ब्रिक्स' क्या है? 'ब्रिक्स' 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का एक समूह है। इनमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात , सऊदी अरब और इंडोनेशिया शामिल हैं। इसका मकसद इन देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इसमें शुरुआत में 4 देश थे, जिसे 'ब्रिक्स' कहा जाता था। यह नाम 2001 में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने दिया था।तब उन्होंने कहा था कि ब्राजील, रूस, भारत और चीन आने वाले दशकों में वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएंगे। बाद में ये देश एक साथ आए और इस नाम को अपनाया।सोवियत संघ के पतन के बाद और 2000 के शुरुआती सालों में दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पश्चिमी देशों का दबदबा था। अमेरिका का डॉलर और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष फैसले करती थीं। इस अमेरिकी दबदबे को कम करने के लिए रूस, भारत, चीन और ब्राजील ब्रिक के तौर पर साथ आए, जो बाद में 'ब्रिक्स' हो गया। इन देशों का मकसद ग्लोबल साउथ यानी विकासशील और गरीब देशों की आवाज को मजबूती देना था।2008-2009 में जब पश्चिमी देश आर्थिक संकट से गुजर रहे थे। तब 'ब्रिक्स' देशों की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही थी। आर्थिक संकट से पहले पश्चिमी देश दुनिया की 60फीसदी से 80फीसदी अर्थव्यवस्था को कंट्रोल कर रहे थे, लेकिन मंदी के दौर में 'ब्रिक्स' देशों की इकोनॉमिक ग्रोथ से पता चला कि इनमें तेजी से बढ़ने और पश्चिमी देशों को टक्कर देने की क्षमता है। 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में हुई बैठक में 'ब्रिक्स' देशों ने मल्टीपोलर वर्ल्ड यानी बहुध्रुवीय दुनिया की कल्पना की गई, जहां पश्चिमी देशों की आर्थिक पकड़ कमज़ोर हो और सभी देशों को बराबरी का हक मिले। 2014 में 'ब्रिक्स' ने एक बड़ा कदम उठाते हुए न्यू डेवलपमेंट बैंक बनाया, जो इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए फंड देता है। इसके साथ-साथ एक रिजर्व फंड भी बनाया गया ताकि आर्थिक संकट के समय इन देशों को अमेरिकी डॉलर पर निर्भर न रहना पड़े।ब्राजील के रियो डी जनेरियो में 'ब्रिक्स' समिट 2025 का आयोजन 'ग्लोबल ऑर्डर के लिए ग्लोबल साउथ का सहयोग' की थीम पर किया गया। इस बार होने वाली बैठक में पहली बार 10 सदस्य देश शामिल हुए। इसके अलावा 9 पार्टनर कंट्रीस ने भी हिस्सा लिया। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा 'ब्रिक्स' को पश्चिमी देशों के विरोधी के बजाय समावेशी संगठन के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। जिसका मकसद समावेशी विकास, खाद्य सुरक्षा और क्लाइमेट जस्टिस जैसे मुद्दों पर बात करना है।पश्चिमी देशों के लिए 'ब्रिक्स' एक चुनौती 'ब्रिक्स' देशों में पिछले कई सालों से स्विफ्ट पेमेंट सिस्टम की तर्ज पर अपना पेमेंट सिस्टम बनाने की चर्चा होती रही है। हालांकि, इसे लेकर अभी तक कोई सहमति बन नहीं पाई है और न ही कोई ठोस कदम उठाए गए हैं। 2023 में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा ने एक समिट के दौरान कहा था कि 'ब्रिक्स' संगठन के देशों को व्यापार के लिए एक नई करेंसी बनाने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया था कि हम क्यों डॉलर में ट्रेड कर रहे हैं। 'ब्रिक्स' देशों के पेमेंट सिस्टम और अपनी करेंसी बनाने का आइडिया हमेशा से पश्चिमी देशों खासतौर पर अमेरिका के लिए चिंता का विषय रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने शपथ ग्रहण से पहले ही पिछले साल दिसंबर में चेतावनी दी थी कि अगर 'ब्रिक्स' देश ऐसा करते हैं तो उन पर 100फीसदी टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने इसे अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की साजिश बताया था। हालांकि इस सब के बीच भारत अपना रुख साफ कर चुका है। दिसंबर 2024 में कतर की राजधानी दोहा में एक फोरम में बोलते हुए जयशंकर ने कहा था कि अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने में भारत की कोई रुचि नहीं है।

ढाई साल के फॉर्मूले पर खींचतान,क्या कर्नाटक में बदलेगा मुख्यमंत्री:सिद्धारमैया और शिवकुमार आमने-सामने, बेटे को सीएम बनाने क्या है खड़गे का 'मास्टर प्लान'

नयी दिल्ली। 'हमारी सरकार अगले 5 साल तक चट्टान की तरह खड़ी रहेगी। बिजे पि बुरे ख्वाब देख रही है। उन्होंने कोई डेवलपमेंट नहीं किया। वे सिर्फ झूठी बातें करके लोगों का ध्यान भटका रहे हैं।' 2 जुलाई को बेंगलुरु के नंदी हिल्स में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का बयान सरकार के अंदर चल रहे तूफान को शांत करने की कोशिश

थी। सीएम को सार्वजनिक तौर पर ये सफाई इसलिए देनी पड़ी क्योंकि कर्नाटक की सियासत में पिछले कई दिनों से चर्चा है कि प्रदेश कांग्रेस दो खेमों में बंट गई है। इस बंटवारे का सेंटर पॉइंट कोई और नहीं बल्कि सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ही हैं। दोनों पार्टी लीडर्स के बीच सीएम पद को लेकर खींचतान चल रही है। विवाद की जड़ ढाई-ढाई साल का फॉर्मूला बताया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये कहकर दोनों खेमों को शांत कर दिया है कि फैसला हाईकमान करेंगे। वहीं एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खड़गे अपने बेटे प्रियांक खड़गे को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में लाना चाहते हैं इसलिए वो सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच बैलेंस बनाए रखना चाहते हैं।ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या कर्नाटक की राजनीति में वाकई सब कुछ ठीक चल रहा है? पार्टी के बड़े लीडर अलग-अलग राह पर हैं? क्या ढाई साल का फॉर्मूला असल में लागू होगा या बीजेपी इस कलह का फायदा उठा लेगी? विवाद कैसे बड़ा हुआ- जो ढाई साल का फॉर्मूला कभी समाधान बना, वही अब चुनौती मई 2023 में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 224 में से 135 सीटें जीतकर सत्ता में जोरदार वापसी की। ये जीत राष्ट्रीय स्तर पर भी पार्टी के लिए काफी मनोबल बढ़ाने वाला पल था। दक्षिण भारत में बीजेपी का एकमात्र मजबूत गढ़ भी कांग्रेस ने ढहा दिया। जीत के बाद सरकार की कमान दो सीनियर लीडर को सौंपी गई। सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बनाए गए। वे पहले भी 5 साल तक सीएम रह चुके हैं। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों में उनकी मजबूत पकड़ है। डीके शिवकुमार डिप्टी सीएम बनाए गए। वे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं। संगठन में उनकी पकड़ और चुनाव प्रचार में भूमिका को जीत की बड़ी वजह माना गया। शुरुआत में सबकुछ ठीक रहा, लेकिन कुछ ही महीनों बाद सरकार में मतभेद उभरने लगे। अब ये खुलकर सामने आ गया है। माना जाता है कि 2023 में सरकार बनने के वक्त कांग्रेस आलाकमान, सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले पर सहमति बनी थी। पहले ढाई साल मुख्यमंत्री सिद्धारमैया रहेंगे। इसके बाद ये कुर्सी डीके शिवकुमार संभालेंगे। अब ये ढाई साल की समय सीमा नजदीक है। लिहाज दोनों नेताओं के समर्थक विधायक खुलकर सामने आ गए हैं। आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो चुके हैं। हालांकि इस फॉर्मूले को लेकर कभी कोई ऑफिशियल ऐलान नहीं हुआ। न ही पार्टी ने इसे पूरी तरह नकारा।सीएम बदलने से गलत मैसेज जाएगा, कांग्रेस शायद ही बदले.सोर्स के मुताबिक, कांग्रेस ने जब कर्नाटक में सरकार बनाई, तब सिद्धारमैया ने उम्र का हवाला देकर पहले दो साल की मांग की थी। शिवकुमार ने इसे ठुकरा दिया। उन्होंने राजस्थान और छत्तीसगढ़ का उदाहरण दिया, जहां ऐसे वादे पूरे नहीं हुए। शिवकुमार चाहते थे कि उन्हें पहला कार्यकाल मिले, चाहे वो दो साल का हो या तीन साल का। अब शिवकुमार का खेमा इस फॉर्मूले को पक्का वादा मान रहा है। उनका कहना है कि अब नेतृत्व परिवर्तन होना चाहिए। वहीं सिद्धारमैया के समर्थक इसे सिर्फ एक राजनीतिक जरूरत बताते हैं, जो अब बदल चुकी है।सीनियर जर्नलिस्ट हर्षवर्धन मानते हैं कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर फैसले जटिल होते हैं। वे कहते हैं, 'राहुल गांधी की लीडरशिप में केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका अहम होती है। सचिन पायलट और ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे नेताओं को ही देख लीजिए। इन्हें वादा तो मिला, लेकिन पद नहीं।' हर्षवर्धन का मानना है कि कांग्रेस शायद ही मुख्यमंत्री बदले। इससे पार्टी के अंदर और बाहर गलत मैसेज जाएगा। अब ये फॉर्मूला सिर्फ समझौता नहीं, बल्कि राजनीतिक नैरेटिव बन गया है। वे कहते हैं, 'शिवकुमार के समर्थक इसे वादे की पूर्ति मानते हैं, न कि बगावत। इससे आलाकमान पर दबाव बढ़ गया है। एक पक्ष का समर्थन करने पर दूसरा नाराज हो सकता है।।'सीनियर जर्नलिस्ट यासिर मुश्ताक का मानना है कि सरकार बनने के समय ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद साझा करने की बात सामने आई थी। हालांकि कांग्रेस ने इसे कन्फर्म नहीं किया था। ढाई साल नवंबर में पूरे हो रहे हैं। उसी वक्त बिहार में विधानसभा चुनाव है। सोर्स के मुताबिक, ऐसे वक्त में कांग्रेस आलाकमान शायद ही इतना बड़ा फैसला ले। अगर मुख्यमंत्री बदला गया तो पार्टी में कलह और बढ़ सकती है। शिवकुमार का गुट दबाव बना रहा है, लेकिन सिद्धारमैया का गुट भी मजबूत है। इसलिए इस साल मुख्यमंत्री नहीं बदले जाएंगे। यासिर कहते हैं, 'पिछले एक साल से कई नेता सिद्धारमैया के खिलाफ बयान दे रहे हैं। ये बयानबाजी नवंबर में होने वाले कैबिनेट फेरबदल को लेकर है। नाराज विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करने की कोशिश हो रही है। कई विधायक आखिरी चुनाव लड़ रहे हैं। वे मंत्री बनना चाहते हैं। इसलिए बयानबाजी कर मंत्रियों को निशाना बना रहे हैं।''कर्नाटक के रामनगर से विधायक इकबाल हुसैन ने सबसे पहले नेतृत्व परिवर्तन की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन महीने में डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बन सकते हैं। उन्होंने ये भी दावा किया कि 138 में से 100 से ज्यादा विधायक शिवकुमार के साथ हैं। ये मांग किसी की निजी महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि कांग्रेस के भविष्य और संगठन की मजबूती के लिए है। हुसैन ने कहा कि 2023 की जीत शिवकुमार की मेहनत और रणनीति का नतीजा थी। अब उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस बयान से सिद्धारमैया खेमे में हलचल मच गई। इसी बीच कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल का एक ऑडियो क्लिप वायरल हुआ। वे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर तीखा हमला करते हुए कहते हैं, 'सिद्धारमैया किस्मत से मुख्यमंत्री बने हैं। मैंने ही उन्हें सोनिया गांधी से मिलवाया था। उनके ग्रह अच्छे थे, इसलिए ण्श बन गए। पार्टी में उनका कोई गॉडफादर नहीं है।' इतना ही नहीं पाटिल ने कांग्रेस सरकार के आवास विभाग पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकारी आवास उन्हीं को मिले, जिन्होंने मोटी घूस दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाटिल ने कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला से मिलकर सिद्धारमैया के खिलाफ सबूत भी सौंपे। कई अन्य विधायकों ने भी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए। कागवाड के विधायक राजू कागे ने विकास कार्यों में देरी और फंड न मिलने पर नाराजगी जताई। कहा- मंत्री मिलने तक को तैयार नहीं। वोटर्स को जवाब देना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने विधायक पद से इस्तीफे की चेतावनी भी दी। सिद्धारमैया का डिफेंसिव रुख, शिवकुमार ने अपनाई सेफ स्ट्रैटजी हालांकि सिद्धारमैया ने इन आरोपों पर डिफेंसिव रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि सरकार चट्टान की तरह मजबूत है। पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी। बीआर पाटिल के 'लकी लॉटरी' वाले बयान पर तंज कसते हुए बोले- हां, मैं मुख्यमंत्री हूं, इसलिए भाग्यशाली हूं। अगर उन्होंने ऐसा कहा है, तो मैं क्या करूं? उधर डी.के. शिवकुमार ने सेफ स्ट्रैटजी अपनाई। नेतृत्व परिवर्तन की मांग कर रहे विधायकों से शिवकुमार ने अनुशासन की बात कही। इकबाल हुसैन को कारण बताओ नोटिस देने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि किसी विधायक को मीडिया में पार्टी के अंदरूनी मामलों पर बोलने की जरूरत नहीं। मेरा ध्यान सरकार को मजबूत करने पर है।

देर रात पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़,बदमाशों ने पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में एक घायल तीन गिरफ्तार

प्रयागराज।प्रयागराज के करेली थाना क्षेत्र में रविवार देर रात पुलिस

और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। सैदपुर पुलिस चौकी के अंतर्गत पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। रात के करीब 11 बजे के आसपास एक बाइक पर सवार तीन युवक पुलिस बैरियर के पास आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो तीनों ने रुकने की बजाय बैरियर तोड़ते हुए भागने की कोशिश की।घटना स्थल से बाकी दो बदमाशों को भी पुलिस ने मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए बदमाशों से पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ कि इन्होंने 2 जुलाई को करेली थाना क्षेत्र स्थित करेली स्कीम में एक चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस को बदमाशों के पास से हथियार और कुछ संदिग्ध सामान भी बरामद हुआ है। अब पुलिस इनका आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने में जुट गई है और यह भी जांच की जा रही है कि क्या इनका किसी संगठित आपराधिक गिरोह से संबंध है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इनसे जुड़ी पूरी जानकारी और नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा। इस हरकत से पुलिस को उन पर संदेह हुआ और टीम ने तुरंत पीछा करना शुरू कर दिया। कुछ ही दूरी पर पीछा करने के दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश की पहचान मोहम्मद हसनैन के रूप में हुई है, जो करेली क्षेत्र का ही निवासी बताया जा रहा है।

संगम नगरी में कल से और बढ़ेगा गंगा-यमुना का जलस्तर,कानपुर बैराज से छोड़ा गया 2 लाख क्यूसेक पानी

प्रयागराज। प्रयागराज में बारिश

भले ही कम हो रही है, लेकिन गंगा और यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है। कल मंगलवार तक और जलस्तर में वृद्धि होगी। दरअसल, नरौरा बांध से पानी छोड़ने पर कानपुर के जाजमऊ बैराज से करीब 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। संभावना है कि मंगलवार तक वह पानी प्रयागराज तक पहुंचेगा और जलस्तर में वृद्धि होगी।यहां अभी गंगा का जलस्तर करीब 78 मीटर और यमुना 75.88 मीटर तक रिकॉर्ड किया गया है। दोनों नदियों का जलस्तर में वृद्धि जारी है। यहां डेंजर लेवल 84.734 मीटर पर है, ऐसे में अभी बाढ़ का खतरा बहुत ज्यादा नहीं है। हालांकि प्रशासन की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई है।मौसम विभाग, लखनऊ की ओर से कुछ जनपदों में 6 जुलाई से 12 जुलाई तक तेज बारिश व वज्रपात की संभावना जताई गई है। इसमें प्रयागराज जनपद भी शामिल है। इसे देखते हुए प्रयागराज को येलो जोन में रखा गया है। प्रशासन की ओर जनपद वासियों के लिए एडवाइजरी भी जारी की गई है।आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। बताया गया है कि यदि आकाशीय बिजली गिरने की संभावना बनती है, तो पहले से ही अलर्ट हो जाएं।यदि आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है, तो बाहर जाने से बचें। 30-30 फार्मूले को याद रखें। बिजली दिखने के बाद 30 तक गिनना शुरू करें, यदि आपके 30 मिनट तक पहुंचने से पहले गड़गड़ाहट सुनाई दे तो तत्काल घर के अंदर जाएं।

अशरफ की पत्नी जैनब की याचिका पर सुनवाई,उमेश पाल हत्याकांड में गैर हाजिर रहने

प्रयागराज। आईएस-227 गैंग के सरगना रहे माफिया अतीक

अहमद छोटे भाई अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। जैनब ने निचली अदालत के उस आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया है। जिसमें उमेश पाल हत्याकांड में गैर हाजिर रहने पर गैर जमानती वारंट और संपत्ति कुर्क करने का आदेश पारित किया गया है।जैनब के साथ ही माफिया अतीक अहमद के बहनाई अखलाक अहमद ने भी हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन, गुड्डू मुस्लिम और तीन अन्य के खिलाफ प्रयागराज के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) ने उक्त मामले में अदालत में गैर हाजिर रहने पर कुर्की का आदेश पारित किया है। सीआरपीसी की धारा 82 के तहत अदालत किसी व्यक्ति को उसके समक्ष पेश होने के लिए उद्घोषणा जारी कर सकती है। अगर उसके पास यह मानने के कारण हों कि अभियुक्त फरार है या अदालत से बचने के लिए खुद को छिपा रहा है। धारा 83 न्यायालय को व्यक्ति की संपत्ति कुर्क करने की अनुमति देती है। हालांकि यह मामला न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध था, लेकिन शुक्रवार को इस पर सुनवाई नहीं हुई। अहमद बंधुओं को अप्रैल 2023 में यहां पुलिस द्वारा मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय लाइव टेलीविजन पर तीन लोगों ने गोली मार दी थी।

प्रयागराज-लखनऊ हाइवे पर खड़े ट्रक से टकराया ऑटो,चालक और बुजुर्ग महिला की मौत, बहू और तीन बच्चे एसआरएन अस्पताल में भर्ती

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार को गंगानगर के मलाक बलऊ गांव के पास प्रयागराज-

लखनऊ राजमार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सड़क पर खड़े ट्रक से एक ऑटो की टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो चालक इसहाक अहमद और 70 वर्षीय जावित्री की मौके पर ही मौत हो गई। जावित्री अपनी बहू कामिनी और तीन नाती आयुष, अनिरुद्ध और वैभव के साथ दारागंज स्थित मकान जा रही थीं। वे प्रतापगढ़ जनपद के परानूपुर हथिगवां की रहने वाली थीं। नवाबगंज के दानियालपुर निवासी 30 वर्षीय इसहाक अहमद ऑटो चला रहा था।टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। नवाबगंज पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने चालक और जावित्री को मृत घोषित कर दिया। कामिनी और तीनों बच्चों को गंभीर हालत में एसआरएन अस्पताल रेफर किया गया।हादसे के कारण प्रयागराज-लखनऊ मार्ग पर करीब 20 मिनट तक यातायात बाधित रहा। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतकों के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए हैं।

10 फीट लंबा अजगर निकला नाव में,बैठे यात्री डरकर चिल्लाने लगे,अंकित टार्जन ने किया रेस्क्यू, जंगल में छोड़ा

प्रयागराज। संगम तट पर रविवार को एक नाव में अचानक 10 फीट लंबा अजगर निकल आया। नाव में बैठे लोगो की सिट्टी पिट्टी गुल हो गयी। कुछ लोग डर के मारे चिल्लाने लगे। कुछ यात्री घबराहट में नाव से कूदने की प्रयास करने लगे। नावों में मौजूद नाविकों ने तुरंत स्थिति को संभाला। उन्होंने सावधानी से अजगर को पकड़ा। किसी को कोई चोट नहीं आई। सांपो व् वन्यजीवों को रेस्क्यू करने वाले अंकित टार्जन को बुलाया गया वन्य टीम ने अजगर को जंगल में छोड़ दिया। कछारी इलाको में इस मौसम में जंगली जीवों का दिखना आम बात है। प्रशासन ने घटना के बाद सतर्कता बढ़ा दी है। संगम क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई है। यात्रियों को सावधान रहने की सलाह दी गई है। आपात स्थिति में पुलिस या जल पुलिस से संपर्क करने को कहा गया है। यह घटना बताती है कि प्रकृति के साथ सतर्कता बरतना जरूरी है।

प्रयागराज में हरियाली का महाअभियान,नगर निगम 9 जुलाई को लगाएगा एक लाख पौधे,सीएम ने ली समीक्षा बैठक

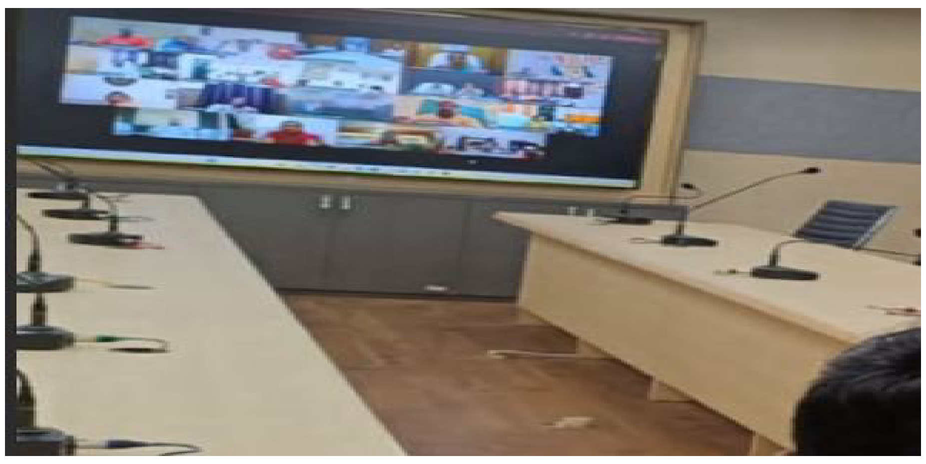

प्रयागराज। नगर निगम 9 जुलाई को प्रदेश सरकार के वृहद वृक्षारोपण अभियान में एक लाख पौधे लगाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रदेश के सभी नगर निकायों के साथ वर्चुअल बैठक की। प्रयागराज के महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने बैठक में भाग लिया। उन्होंने पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का आश्वासन दिया। इस पहल से शहर में हरित आवरण बढ़ेगा और पर्यावरण संरक्षण को मदद मिलेगी।नगर निगम ने पौधरोपण के लिए शहर के पार्क, सड़कों के किनारे और सार्वजनिक स्थलों को चिह्नित किया है। महापौर ने शहरवासियों से पौधे लगाने और उनकी देखरेख में सहयोग की अपील की। वेबिनार में नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा, अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव समेत कई अधिकारी शामिल हुए। पार्षद अमित सिंह बबलू, बबलू रघुवंशी, विवेक अग्रवाल, विवेक मिश्रा और हरीश केशरवानी भी मौजूद रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। नगर निगम प्रशासन ने पौधों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने का वादा किया है। यह कदम वायु प्रदूषण कम करने और शहर को हरा-भरा बनाने में मददगार साबित होगा।

खेत में मोटर चलाते समय लगा करंट हुई मौत,प्रयागराज में 22 साल के युवक की मौत,कटी हुई केबल से हुआ हादसा

प्रयागराज। प्रयागराज के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया। गोहटी गांव के 22 वर्षीय लवकुश निषाद की करंट लगने से मौत हो गई। शुक्रवार की शाम को लवकुश अपने खेत में नलकूप पर पानी लगाने गया था। मोटर ठीक से काम नहीं कर रही थी। इस दौरान वह केबल को ठीक करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान कटी हुई बिजली के तार की चपेट में आ गया। आसपास के लोगों ने जैसे ही घटना देखी, तुरंत परिजनों को सूचित किया। लवकुश को अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एयरपोर्ट थाना प्रभारी विनय सिंह ने घटना की पुष्टि की है। लवकुश के पिता दूधनाथ का पहले ही देहांत हो चुका था। इस घटना से परिवार में मातम छा गया है।

17 साल का किशोर लापता,मोहनगंज बाजार से सामान लेने गया था,थाने में दी सूचना

प्रयागराज। प्रयागराज के परवेजाबाद में एक 17 वर्षीय किशोर के लापता होने का मामला सामने आया है। थाना

उतराव क्षेत्र के किसान शिवांक यादव का बेटा मयंक यादव 5 जुलाई को घरेलू सामान खरीदने के लिए साइकिल से मोहनगंज बाजार गया था। कई घंटे बीत जाने के बाद भी जब मयंक घर नहीं लौटा, तो परिवार को चिंता हुई। परिजनों ने उसे रिश्तेदारों के यहां और आसपास के इलाकों में खोजा। लेकिन मयंक का कहीं पता नहीं चला। वह अपनी साइकिल के साथ लापता है। परिवार ने उतराव थाने में मयंक के लापता होने की सूचना दर्ज कराई है। पुलिस मामले की हर दिशा में जांच कर रही है। मामला संदिग्ध माना जा रहा है।

रामविलास पासवान की 79वीं जयंती प्रयागराज में उत्साहपूर्वक मनाई गई

प्रयागराज। झूंसी में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और दलित सेना के संस्थापक, पूर्व केंद्रीय मोबाइल फोन को सस्ता करने, रेलवे कुलियों को स्थायी करने और कोरोना काल में मुफ्त अनाज की व्यवस्था

मंत्री, पद्म विभूषण से सम्मानित रामविलास पासवान की 79वीं जयंती होटल साकेत गंगे में धूमधाम से मनाई गई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके योगदान को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की।मुख्य अतिथि लोजपा पूर्वांचल उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने स्व.पासवान के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि पासवान ने आंबेडकर की तस्वीर संसद में लगवाने, मंडल कमीशन लागू करने, जैसे ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके अधूरे सपनों को चिराग पासवान के नेतृत्व में पूरा करने का संकल्प लेने को कहा। लोजपा उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगी।समारोह में कई लोगों ने लोजपा की सदस्यता ग्रहण की। विकास पांडेय, आशीष पासवान, जितेंद्र पासी, करन सोनकर, विनय कुशवाहा, सुनील जयसवाल सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रयागराज में देर रात पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़,बदमाशों ने पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में एक घायल,तीन गिरफ्तार

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र में रविवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। यह खुलासा हुआ कि इन्होंने 2 जुलाई को करेली थाना क्षेत्र स्थित करेली स्कीम में एक चोरी की तुरंत पीछा करना शुरू कर दिया। कुछ ही दूरी पर पीछा करने के दौरान बदमाशों ने पुलिस पर

सैदपुर पुलिस चौकी के अंतर्गत पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। रात के करीब 11 बजे के आसपास एक बाइक पर सवार तीन युवक पुलिस बैरियर के पास आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो तीनों ने रुकने की बजाय बैरियर तोड़ते हुए भागने की कोशिश की।घटना स्थल से बाकी दो बदमाशों को भी पुलिस ने मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए बदमाशों से पूछताछ के दौरान वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस को बदमाशों के पास से हथियार और कुछ संदिग्ध सामान भी बरामद हुआ है। अब पुलिस इनका आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने में जुट गई है और यह भी जांच की जा रही है कि क्या इनका किसी संगठित आपराधिक गिरोह से संबंध है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इनसे जुड़ी पूरी जानकारी और नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा। इस हरकत से पुलिस को उन पर संदेह हुआ और टीम ने फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश की पहचान मोहम्मद हसनैन के रूप में हुई है, जो करेली क्षेत्र का ही निवासी बताया जा रहा है। हसनैन को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।इस त्वरित कार्रवाई से पुलिस ने एक संभावित बड़ी वारदात को रोकने में सफलता हासिल की है।

प्रयागराज नगर निगम में नया सदन हॉल तैयार:महापौर ने किया निरीक्षण, आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा हॉल

प्रयागराज। प्रयागराज के आवश्यक सुविधाओं को दुरुस्त मजबूत होगी। निरीक्षण के दौरान

सिविल लाइंस स्थित नगर निगम परिसर में नव निर्मित सदन हॉल का महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने रविवार को निरीक्षण किया। उन्होंने हॉल की गुणवत्ता और उपलब्ध सुविधाओं का मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा, अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव और क्षेत्रीय पार्षद मौजूद रहे। महापौर ने अधिकारियों को हॉल में सभी रखने के निर्देश दिए। इससे पार्षदों और निगम कर्मचारियों को बेहतर कामकाजी माहौल मिलेगा। नगर आयुक्त ने कहा कि नए सदन हॉल से निगम के कार्यों में तेजी आएगी। बैठकों के दौरान बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी।अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव के अनुसार, हॉल आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इससे नगर निगम के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही हॉल की साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था और तकनीकी सुविधाओं की समीक्षा की गई।नए सदन हॉल से पार्षदों और अधिकारियों को बेहतर प्लेटफॉर्म मिलेगा। यहां निगम से जुड़े मुद्दों पर कुशलता से चर्चा और निर्णय लिया जा सकेगा। नगर निगम प्रशासन का मानना है कि इससे शहर के विकास कार्यों में तेजी आएगी। पार्षदों को अपनी बात रखने के लिए उपयुक्त मंच मिलेगा।

मेजा में ताजिया जुलूस मामले में नया मोड़-22 लोगों की जेल से रिहाई, सपा का धरना-प्रदर्शन स्थगित

प्रयागराज। मेजा थाने के ने मेजा एसीपी कार्यालय का घेराव किया। साथ ही उन पर दर्ज मुकदमों

सिरसा कस्बे में ताजिया जुलूस मामले में एक नया मोड़ आया है। तीन दिन पहले पुलिस द्वारा जेल भेजे गए 22 लोगों को आज रिहा कर दिया गया है। इस मामले और कोरांव मेजा में कथित पुलिसिया उत्पीड़न के विरोध में इलाहाबाद के पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमन सिंह करने की योजना बनाई थी। सोशल मीडिया पर घेराव की खबर फैलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। उच्चाधिकारियों ने तत्काल पूर्व सांसद से संपर्क किया। सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा के अनुसार, प्रशासन ने जेल में बंद सभी लोगों को रिहा करने का वादा को समाप्त करने की बात भी कही। पूर्व सांसद की अन्य मांगें भी प्रशासन ने स्वीकार कर लीं। डीसीपी यमुनापार विवेक चंद्र यादव की मध्यस्थता से मामला शांत हो गया। पूर्व सांसद ने अपने फेसबुक पेज पर धरना-प्रदर्शन स्थगित करने की जानकारी साझा की।

इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में अशोक सिंह मैदान में

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार के सर्वकालिक अध्यक्ष हैं 'अशोक सिंह' सरल सौम्य व व्यहवार कुशल,जहां अधिवक्ता पदाधिकारी बनकर अपनी फीस बढाते हैं वही अशोक सिंह जनसुलभ हो जाते हैं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। चाहे 10 दिन का प्रैक्टिशनर हो चाहे 10 वर्ष का प्रैक्टिशनर हो जब उसके ऊपर समस्या आती है तो इलाहाबाद हाईकोर्ट का हर अधिवक्ता अशोक सिंह को याद करता है जी हां वहीं अशोक सिंह जो इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव पूर्व अध्यक्ष और इन सब से बढ़कर एक संवेदनशील इंसान है। पुलिस स्टेशन हो या इलाहाबाद हाई कोर्ट या किसी भी बड़े अधिकारी का कार्यालय यदि अधिवक्ता के हित की बात आती है तो अशोक सिंह दूरी का ध्यान रखें बिना तत्काल अधिवक्ता की समस्या का समाधान करने के लिए मौके पर पहुंच आते हैं और हर हद तक समस्या का समाधान करने का प्रयास करते

हैं। जी हां एक बार फिर से इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में अशोक सिंह मैदान में है अशोक सिंह की सबसे उपलब्धि यह है कि अशोक सिंह के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता जाति पाति धर्म और क्षेत्र से हटकर खुलकर उनके साथ मैदान में खड़े हैं। नामांकन के दौरान अशोक सिंह के जुलूस ने यह स्पष्ट कर दिया कि अशोक सिंह सर्वकालिक अध्यक्ष है और 2025 के चुनाव में एक बार फिर से इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का नेतृत्व करने जा रहे है।अशोक सिंह का कहना है कि उन्होंने अपना जीवन अधिवक्ता समाज के लिए समर्पित कर दिया है और जहां पर भी अधिवक्ता हित की बात आएगी अशोक सिंह वहां पर मौजूद रहेंगे, उन्होंने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट का एक-एक अधिवक्ता उनके लिए सम्मानित है अशोक सिंह ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट बार के बारे में कहा जाता है कि यह एशिया का सबसे बड़ा बार है लेकिन वास्तविकता यह है की पूरी दुनिया में किसी भी बार एसोसिएशन में इतनी मजबूती, इतनी गरिमा और इतनी ताकत और इतनी संख्या नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के बार एसोसिएशन इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की उच्चतम स्तर पर पहुंचना ही मेरा प्रमुख उद्देश्य है और यहां के अधिवक्ताओं को कोई असुविधा न हो नहीं पाए इसके लिए मैं पूरा प्रयास करूंगा।

प्रयागराज में आरपीआई का संविधान सम्मान सम्मेलन,केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले होंगे मुख्य अतिथि

प्रयागराज। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) आगामी 9 है, जिनमें निःशुल्क शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, सामाजिक न्याय,

जुलाई को प्रयागराज में संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। यह आयोजन प्रयाग संगीत समिति ऑडिटोरियम में होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामदास आठवले शामिल होंगे। प्रेस क्लब प्रयागराज में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता ने बताया कि यह सम्मेलन पार्टी की विचारधारा और संगठन की शक्ति का प्रदर्शन होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयागराज सहित पूरे प्रदेश से आरपीआई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में जुटेंगे। उन्होंने बताया कि यह आयोजन केवल राजनीतिक सभा नहीं, बल्कि समाज के वंचित वर्गों को न्याय दिलाने की दिशा में एक मजबूत पहल है।पवन गुप्ता ने कहा कि पार्टी 10 अहम मुद्दों के साथ जनता के बीच काम कर रही महिला सशक्तिकरण, किसान और श्रमिक कल्याण, बेरोजगारी उन्मूलन, पुलिसिया उत्पीड़न पर रोक और भूमिहीनों को ज़मीन का हक शामिल हैं। पार्टी का लक्ष्य संविधान में निहित अधिकारों की रक्षा और समाज में समानता और बंधुत्व को बढ़ावा देना है। उन्होंने यह भी बताया कि आरपीआई आगामी जिला पंचायत चुनावों में पूरी मजबूती से भाग लेगी। यह उत्तर प्रदेश की राजनीति में आरपीआई की सक्रिय वापसी होगी, जो सामाजिक न्याय की एक नई लहर लेकर आएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने प्रयागराज निवासी और आरपीआई राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजय अग्रवाल की भूमिका की सराहना की और कहा कि सम्मेलन की संपूर्ण तैयारियों में उनकी अहम भागीदारी रही है। यह सम्मेलन पार्टी के संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होगा।

मोहर्रम के दिन नम आंखों से किया हुसैन को याद, मासूम बच्चों ने बांटे लंगर,बड़ी ताजिया को बच्चों ने दिया कंधा

प्रयागराज। प्रयागराज में मोहर्रम के दिन मोहर्रम कमेटी के साथ मासूम बच्चों ने लंगर बांटे। है। बच्चों के चेहरे पर उत्साह देखने मिला। जो इस पर्व को और भी खास बना दिया।जुलूस के रास्ते

बच्चे अपने घर वालों के साथ मिलकर जुलूस में आए हुए लोगों को शरबत ,पानी और खाना बांटते नजर आए। बड़ी ताजिया को बच्चों ने भी कंधा दिया। शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए नम आंखों से हुसैन को याद किया।कार्यक्रम के आयोजकों का कहना है कि बच्चों का इस तरह की भागीदारी न केवल उन्हें धर्म के अच्छाईयों के बारे में बताता है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को निभाना भी सिखाता में हर कदम पर लंगर और स्टाल लगे रहे। आने जाने वाले सभी लोगों को पानी,शरबत और कोल्ड्रिंक्स बांटी जा रही थी। खाने में बिरयानी,नान रोटी,ब्रेड और पैकेट बंद रोटियां दी जा रही थी। मोहर्रम कमेटी के लोगों ने गाड़ियों के ऊपर बैठकर भीड़ में जरूरतमंदों को बिस्किट के पैकेट,नमकीन,पानी की बोतलें और टॉफियां बांटी।धूप और उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत देने के लिए कमेटी ने पानी की बौछार की।

ट्रक पर चढ़ते समय अधेड़ की गिरकर मौत:मृतक जय सिंह सनई का पूरा का था रहने वाला, जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज। प्रयागराज के मोहाब्बतगंज उपरहार के रहने वाले अधेड़ था। उसी दौरान अचानक ट्रक दो खंभों से भिड़ गया और वह गिर गए। इसके

जय सिंह की ट्रक पर चढ़ते समय गिरने से मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच के बाद ही चीजें स्पष्ट हो सकेंगी। उसके बाद ही घटना की स्पष्ट जांच हो सकेंगी। मोहाब्बतगंज के सनई का पूरा का रहने वाला जय सिंह अपने जीजा के साथ ट्रक चलाता था। रविवार की दोपहर वह अपने जीजा का ट्रक बैक करा रहा बाद उसका जीजा अचानक ट्रक को वहां से लेकर भागने लगा। इस दौरान जय सिंह ट्रक पर चढ़ने लगा। जहां गलती से उसका पैर फिसल गया और वह चलती ट्रक से गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि इस मामले में पुलिस कुछ भी कहने से बच रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। जय सिंह के परिवार में दो बेटे और एक बेटी है।

नोएडा में शांति पूर्ण निकला मोहर्रम का जूलूस

नोएडा। मोहर्रम का जुलूस निकाला गया ।जो सेक्टर 8 जामा मस्जिद से शुरू होकर सेक्टर 9, बांस बल्ली मार्किट, बैंक ऑफ इंडिया से सेक्टर 21 स्टेडियम चौराहा, सेक्टर 12 शिमला पार्कों , स्वानी फर्नीचर सेक्टर 10, सेक्टर 11 झुंडपुरा होते हुए सेक्टर 8 कोहली धर्म कांटा से पानी टंकी सेक्टर 5 हरोला के सेक्टर 4 के पार्क में सभी अखाड़ा का जुलूस पहुंचा व उनके बाद सभी अखाड़ा वापस अपने ?स्थान पर पहुंचकर समापन किया गया नोएडा पुलिस प्रशासन का सहयोग करने के लिए सभी अखाडो के खलीफो ने पुलिस प्रशासन का तहे दिल से धन्यवाद आभार व्यक्त किया नोएडा कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष शाहबुद्दीन ने कहा कि मुहर्रम, हज़रत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए अन्याय के खिलाफ उनकी लड़ाई और सच्चाई के साथ मजबूती से खड़े रहने का संदेश हम सबको प्रेरणा देता है मुहर्रम के अवसर पर कर्बला के शहीदों एवं हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानियों को नमन। इस मौके पर मुख्य रूप से सभी सम्मानित अखाड़ा खलीफा मुन्ना आलम खलीफा,रुबि खान, खलीफा ,तनवीर हुसैन ,दाऊद खान, मोहम्मद गुड्डू,ओसाम,साहिल, फिरोज़ ,इंतजामिया अखाड़ा, फकर अली खलीफा, अंजार ,जियाउल मास्टर खलीफा, तनवीर हुसैन खलीफा, रहमानिया अखाड़ा फिरोज खलीफा, बच्चा अखाड़ा, इस्लामिया अखाड़ा,गोसिया अखाड़ा व हुसैनिया अखाड़ा व अन्य सभी अखाड़ों का जुलूस एक साथ एकजुट होकर निकाला इस मौके पर मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता, समाजवादी पार्टी महासचिव विकास यादव, सीटू जिला अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महानगर कांग्रेस नोएडा पूर्व अध्यक्ष शाहबुद्दीन,अली हसन,उम्मर, युनुस अल्वी, खलीफा गुड्डू शाह , मास्टर शरीफ खलीफा,बाबू प्रधान,सबा करीम,जावेद खान,ओसामा आलम,इकरार नवी,राजा, गुलाम रसूल,गुलाब, अकबर ,मुस्लिम, नौशाद,शमशाद,महताब, सलमान, प्रवेज, शकील, मोहम्मद ,युनुस,साकिर, आमिर, पिंस, बबलू अल्वी, शौकत अल्वी,सकूंर, बबलू ,अनीश, मुमताज, वाहिद,अमजत हुसैन, कल्लू अंकल,हासिम व अन्य लोग मौजूद रहे।

9 जुलाई को हड़ताल कर नोएडा प्राधिकरण पर प्रदर्शन करेंगे शहर के पथ विक्रेता

नोएडा पथ विक्रेताओं की लंबित मांगों/ समस्याओं और मजदूर विरोधी लेबर कोड़ों को रद्द करवाने की मांग पर 09 जुलाई 2025 को होने वाली देशव्यापी आम हड़ताल को लेकर आज चक शाहबेरी ग्रेटर नोएडा वेस्ट पर पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन गौतम बुध नगर यूसुफपुर चक शाहबेरी कमेटी संबंध- सी. आई. टी. यू. के कार्यकर्ताओं की बैठक यूनियन नेता कामरेड नरेंद्र पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक की जानकारी देते हुए यूनियन के महामंत्री व सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि पिछले 1 साल से वेडिंग जौन से संबंधित सभी कार्य रुके पड़े हैं, जिन वेंडर्स का सर्वे हो गया है उनका ड्रॉ नहीं किया जा रहा है। वेंडिंग जोन में मूलभूत जन सुविधा वेंडर्स को उपलब्ध नहीं कराई गई है तथा जिन वेंडर्स का सर्वे नहीं हुआ है उनका सर्वे करने का काम भी नहीं किया जा रहा है। लॉकडाउन की अवधि का किराया अभी तक माफ नहीं किया गया है। स्थाई वेंडिंग कमेटी का चुनाव अभी तक संपन्न नहीं कराया गया है। साथ ही प्राधिकरण के उच्च अधिकारी वेंडर्स से मिलने तक तैयार नहीं है और उनके गेट पास तक बनाने बंद कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं वेध अवैध के नाम पर प्राधिकरण और पुलिसकर्मी अधिकांश जगहों पर अवैध वसूली लेने की शिकायते लगातार बढ़ती जा रही है। उपरोक्त सभी मुद्दों और मजदूर विरोधी लेबर कोड़ों (श्रम संहिताओं) को रद्द करवाने की मांग को लेकर शहर के सभी वेंडर्स 09 जुलाई 2025 को हड़ताल कर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय सेक्टर- 6, पर बड़ा प्रदर्शन कर केंद्र व प्रदेश सरकार को पुनः समस्याओं/ मांगों का ज्ञापन दिया जाएगा। इसी तरह ग्रेटर नोएडा के कामगार जुलूस निकालकर जिलाधिकारी कार्यकर्ता पर प्रदर्शन करेंगे। बैठक को सीटू जिला सचिव कामरेड राम स्वारथ यूनियन के वरिष्ठ कार्यर्ता उपेंद्र गुप्ता, आरपी सिंह, हरवीर, बच्चू सिंह, चंदन, शिव प्रसाद लंबू, विकास गुप्ता आदि ने संबोधित करते हुए अपनी बात रखी। और रेहडी पटरी दुकानदारों से 9 जुलाई को अपने काम का बहिष्कार कर जलूस /प्रर्दशन के लिए प्रातः 10:00 बजे सीटू कार्यालय सेक्टर- 8, नोएडा बांस-बल्ली मार्केट पर इकट्ठा होने की अपील किया।

गीतांजलि काव्य प्रसार मंच द्वारा किया गया 'नीरांजलि' का लोकार्पण, उत्कृष्ट साहित्य साधकों को मिला नीरांजलि साहित्य सम्मान 2025

नोएडा। प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था गीतांजलि काव्य प्रसार मंच द्वारा नोएडा मीडिया क्लब में भव्य साहित्यिक आयोजन किया गया । रविवार को सेक्टर 29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में गीतांजलि काव्य प्रसार मंच द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित वार्षिक पत्रिका नीरांजलि (प्रिंट संस्करण) का लोकार्पण किया रहे,कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.सूक्ष्मलता महाजन, डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति, डॉ. वीणा मित्तल, डॉ. पुष्पा जोशी, डॉ. नीरजा मेहता, डॉ. सुमन मोहिनी,विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहीं । कार्यक्रम का संचालन डॉ इला जायसवाल व डॉ कामना मिश्रा द्वारा किया गया। स्वागत भाषण डॉ

रचनाकारों को किया गया सम्मानित

गया साथ ही इस मौके पर उत्कृष्ट रचनाकारों को सम्मानित भी किया गया। मंच की अध्यक्ष एवं पत्रिका की संपादक डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा 'गीत' ने आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 'नीरांजलि पत्रिका' मंच के संस्थापक परम् श्रद्धेय नीरज अरोड़ा जी की स्मृति एवं उनके साहित्यिक योगदान को समर्पित है। नीरज जी के जन्म दिवस 1 जुलाई 2023 को नीरज कुंज ई-पत्रिका की शुरुआत हुई थी,जिसका यह वार्षिक विशेषांक प्रिंट स्वरूप में प्रकाशित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त साहित्यकार, कवि एवं लेखक डॉ. प्रेम भारद्वाज 'ज्ञानभिक्षु' द्वारा की गयी,कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात राष्ट्रीय साहित्यकार डॉ. सविता चड्ढा मौजूद रहीं। विशेष रूप से वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर,अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार-विचारक डॉ. शंभू पंवार समारोह में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल गीतांजलि नीरज अरोड़ा ने दिया वहीँ श्रद्धेय नीरज अरोड़ा की पुत्री भाविका अरोड़ा ने अपने पिता के व्यक्तित्व पर संबोधन दिया।नीरज कुंज पत्रिका के सचिव देवेंद्र प्रकाश शर्मा ने बताया कि समारोह में पत्रिका में रचनात्मक योगदान देने वाले 70 से भी अधिक रचनाकारों को नीरांजलि साहित्य सम्मान 2025 प्रदान किया गया । यह सम्मान उनकी सृजनशीलता, साहित्यिक समर्पण एवं समाज में भाषा-संस्कृति के संवर्धन के लिए दिया गया ।उन्होंने कहा कि श्रद्धेय नीरज अरोड़ा जी का साहित्य एवं समाज सेवा में दिया गया योगदान प्रेरणास्रोत है। उनके सपनों को साकार करने हेतु डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा के नेतृत्व में मंच की पूरी टीम कृतसंकल्पित है। कार्यक्रम के अंत सचिव देवेंद्र प्रकाश शर्मा द्वारा कार्यक्रम में मौजूद सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया गया

विश्व हिंदू महासंघ जिला कार्यकारिणी की बैठक का किया आयोजन

नोएडा। विश्व हिन्दू महासंघ नगर जिलाकार्यकरणी की बैठक जिलाकार्यकरणी ने दिया है जिसमे मंडल प्रभारी व गोरक्षा प्रदेश उपाध्यक्ष ठाकुर संजय सिंह, उपाध्यक्ष किरण त्यागी , उपाध्यक्ष

का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के आदेश पर मण्डल प्रभारी नीरज शर्मा को निर्देश दिया गया कि मण्डल के प्रत्येक जनपद में जिलाध्यक्ष की टीम से जाकर मिले व जिलाध्यक्ष का प्रस्ताव समस्त टीम के राय परामर्श कर जिला अध्यक्ष का नाम प्रदेश अध्यक्ष जी के समक्ष दे गौतमबुद्ध नगर में विपिन चौधरी का प्रस्ताव उपाध्यक्ष सुखपाल सिंह ने उनको माला पहनाकर स्वागत किया है कि अध्यक्ष जी द्वारा आपकी जल्द ही घोषणा होगी उपस्थित रहे गाज़ियाबाद जिलाध्यक्ष श्री राजेंद्र शर्मा ,हापुड़ से अजीत सिंह ,गाज़ियाबाद से शसर्वेश शर्मा , संगठनों ने जिले में जिम्मेदारी दी, जिला प्रभारी श्री तेज सिंह चौधरी, जिला महामंत्री सरजीत खारी नंदकिशोर सोलंकी मीडिया प्रभारी विनोद कुशवाहा , जिला मंत्री अशोक राय जिला मंत्री अनिल तिवारी जिला मंत्री आनंदी स्वामी जिला मंत्री अजीत , विकास सक्सेना सुधांशु तिवारी , भावेश हालदार , राहुल शर्मा , संजीव चौधरी, राजू, राजा, प्रदीप तोमर, अनिल एवं शैलेश द्विवेदी जिले के समस्त कार्यकर्ता बंधु मौजूद रहे.

सपा नोएडा महानगर ने किया मासिक बैठक का आयोजन

नोएडा। सपा नोएडा महानगर ने सेक्टर 70 में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में वह पिछड़ा प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष वीरपाल प्रधान के नेतृत्व में मासिक बैठक आयोजन किया। बैठक का संचालन विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान के द्वारा किया गया। बैठक में बूथ सत्यापन अभियान की समीक्षा की गई। महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा की नोएडा महानगर में समाजवादी पार्टी का बूथ सत्यापन अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है। और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों और कार्यशैली से प्रभावित होकर भारी संख्या में लोग उत्साहित होकर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी व जयकरण चौधरी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों से आज आम जनता पूरी तरह से प्रताड़ित है। महासचिव विकास यादव ने कहा कि बेलगाम होती महंगाई और बेरोजगारी पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है।प्रदेश सचिव मनोज चौहान व मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि भाजपा सरकार आम जनता को नहीं बल्कि पूंजी पतियों को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में महासचिव विकास यादव, सुनील चौधरी, भरत प्रधान,महकार तंवर, बबलू चौहान, मनोज चौहान, जय करण चौधरी, गौरव कुमार यादव, विवेक यादव,मुकेश यादव, टीटू यादव,वीरपाल प्रधान, जयवीर बाबा, योगेश भाटी, बबली शर्मा, राम सहेली, नीरज, भानु प्रताप, लोकेश यादव,बब्बू यादव ,गौरव यादव, सतवीर यादव, नकुल चौहान,वीर बहादुर, रंजीत पटेल, कृपा शंकर यादव,राकेश यादव,नीतीश चौहान, ऋषभ यादव, शिवकुमार यादव, रेणुका मेथी, विश्वास मुख्य रूप से मौजूद रहे।

कोरांव एसडीएम का तबादला,27 दिन की वकीलों की हड़ताल के बाद एसडीएम आकांक्षा हटीं, संदीप तिवारी आए

प्रयागराज। प्रयागराज के कोरांव तहसील में एसडीएम आकांक्षा मिश्रा को हटा दिया गया है। अधिवक्ताओं की 27 दिन की लगातार हड़ताल के बाद जिलाधिकारी ने यह फैसला लिया है। उनकी जगह संदीप तिवारी को नया एसडीएम नियुक्त किया गया है। अधिवक्ताओं ने एसडीएम आकांक्षा मिश्रा पर तानाशाही का आरोप लगाया था। उन पर फर्जी केस में वकीलों को जेल भेजने की धमकी देने का भी आरोप था। इन आरोपों के चलते वकील पिछले 27 दिनों से हड़ताल पर थे। डीएम रवींद्र कुमार ने इन आरोपों की जांच करवाई। जांच के बाद सोमवार को एसडीएम का तबादला कर दिया गया। हड़ताल के कारण तहसील में राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे थे। इससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कोरांव बार के उपाध्यक्ष बब्बन तिवारी ने कहा कि एसडीएम के तबादले तक हड़ताल जारी रहनी थी। उन्होंने इस फैसले के लिए जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया है।

उत्कर्ष पब्लिक स्कूल बछरावां में हुआ डिजिटल लाइब्रेरी का हुआ उद्घाटन

रायबरेली। बछरावां स्थित उत्कर्ष पब्लिक स्कूल में छात्रों को डिजिटल के क्षेत्र में जागरूक बनाए जाने के लिए एक डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन एवं डिजिटल इंडिया विचार गोष्ठी का श्री शशि शेखर सिंह एसपी ,एटीएस द्वारा उद्घाटन किया गया ।मुख्य अतिथि के रूप में श्री शशि शेखर सिंह एसपी, एटीएस ने बताया की डिजिटल इंडिया के माध्यम से आज विभिन्न क्षेत्रों में काफी विकास हो रहा है। डिजिटल के माध्यम से आदमी विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर चलकर अच्छी-अच्छी जानकारियां प्राप्त कर रहे हैं डिजिटल के माध्यम से लोग विभिन्न क्षेत्रों की जानकारियां कंप्यूटर के माध्यम से प्राप्त कर रहे हैं ।यहां तक की लगभग 134 लाख आधार कार्ड बन चुके हैं वहीं लोगों को एजुकेशन प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्लेटफार्म पर आवश्यक जानकारियां प्राप्त हो रही है डिजिटल के माध्यम से लोग अपना ज्ञान बढ़ा रहे हैं उसके माध्यम से धनराशि का आदान-प्रदान कर रहे हैं साथ ही विभिन्न क्षेत्रों की नौकरियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं और शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं आज की दिनों में डिजिटल का एक बहुत बड़ा प्रभाव है और उत्कर्ष पब्लिक स्कूल के मैनेजमेंट द्वारा अपने कॉलेज में डिजिटल की सुविधा उपलब्ध कराकर छात्रों के लिए एक बहुत बड़ा चैलेंजिंग प्लेटफार्म प्रस्तुत कर दिया है। छात्र इससे ज्ञान प्राप्त कर अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। वहीं पर शिक्षक विधायक श्री उमेश द्विवेदी द्वारा डिजिटल इंडिया पर प्रकाश डाला गया बताया कि आज की दिनों में मोबाइल एक बहुत बड़ा संसाधन बन गया है। मोबाइल के माध्यम से लोग विभिन्न क्षेत्रों में अपना नाम कमा रहे हैं ।शिक्षक विधायक श्री उमेश द्विवेदी द्वारा इस अवसर पर उपस्थित शिक्षा के क्षेत्र में, सामाजिक क्षेत्र में तथा अच्छे कार्य करने वालों को अंग वस्त्र तथा धार्मिक चित्र देकर सम्मानित भी किया गया। स्कूल प्रबंधक श्री भगवान कुमार अवस्थी द्वारा मुख्य अतिथि श्री शशि शेखर सिंह, एसपी, एटीएस एवं शिक्षक विधायक श्री उमेश द्विवेदी का अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया । डिजिटल इंडिया पर प्रकाश डालने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उपस्थित विभिन्न क्षेत्रों के मर्मज्ञ श्री प्रेमानंद चतुर्वेदी, उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के संरक्षक, श्री अनूप मिश्रा ,उत्तर प्रदेश वेलफेयर पेंशन संगठन के अध्यक्ष, श्री राकेश तिवारी, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, श्री विनोद द्विवेदी शासकीय अधिवक्ता सिविल कोर्ट,रायबरेली एवं अन्य वक्ताओं द्वारा डिजिटल इंडिया पर प्रकाश डाला गया एवं डिजिटल लाइब्रेरी के उद्घाटन की सराहना की गई ।अंत में स्कूल प्रबंधक श्री भगवान कुमार अवस्थी द्वारा आए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर स्कूल की बालक - बालिकाओं द्वारा सुंदर-सुंदर नाट्य प्रस्तुति की गई, जिसे सभी लोगों ने सराहा।

प्रयागराज में क्षतिग्रस्त एनएच-30 की मरम्मत शुरू,सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और दरारें थीं

प्रयागराज। बारा तहसील के गढ़ैया खुर्द, गढ़ैया कला, गोहानी, हारो डाडो गन्ने और नारीबारी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 30 की स्थिति बेहद खराब हो गई थी। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और दरारें थीं। डिवाइडर के पास बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थीं। इस मार्ग से दूसरे शहरों के लोगों का आवागमन होता है। दो पहिया वाहन चालक अक्सर फिसलकर चोटिल हो रहे थे। कई लोगों की जान भी इन दुर्घटनाओं में जा चुकी है। तो प्रशासन में हलचल मच गई। विशेष बात यह है कि जिले के सभी अधिकारी इसी राष्ट्रीय राजमार्ग से दूसरे प्रदेशों में आते-जाते हैं। फिर भी किसी ने सड़क की खराब स्थिति पर ध्यान नहीं दिया। गोहानी के पास सड़क पर दरारों के कारण दुर्घटनाग्रस्त लोगों को स्थानीय निवासी निजी अस्पतालों में ले जाते थे। कई घायल लोगों की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत्यु हो जाती थी। खबर के प्रकाशन के बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की। आज सुबह से ही राष्ट्रीय राजमार्ग 30 की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री आवास की आश में निराश्रित महिला की मौत, नहीं हो रही है कोई सुनवाई, क्षुब्ध लोगों ने किया जोरदार प्रदर्शन

कोन / सोनभद्र। नव सृजित विकास खण्ड कोन के ग्राम पंचायत हुए संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग करते हुए तत्काल प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी समेत कई अधिकारियों को पत्र

कुड़वा में वर्ष 22-23 प्रधानमंत्री आवास में जमकर धाँधली करने का मामला प्रकाश में आया था।जिसके क्रम में ग्राम पंचायत कुड़वा निवासिनी इसरावती देवी पति स्व. अरुण निराश्रित महिला का वर्ष 22-23 में प्रधानमंत्री आवास मिला था जिसे ग्राम पंचायत सदस्य/ जन प्रतिनिधि व संबंधित लोगों के द्वारा सरकारी धन का बंदरबाँट कर लिया गया। जिसके संबंध में लाभार्थी द्वारा पूर्व में खंड विकास कार्यालय कोन व थाना कोन को लिखित शिकायती पत्र सौंपकर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग किया था और वहीं मुख्यमंत्री के शिकायत प्रकोष्ठ नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज कराया है। जिसके क्रम में पूर्व में इसरावती देवी की अगुवाई में प्रधानमंत्री आवास घोटाले के क्रम में कुड़वा में जोरदार प्रदर्शन करते आवास की धनराशि दिलाने की मांग की गई थी। मिली जानकारी के अनुसार प्रभानमंत्री आवास की आस लगाये बैठी महिला कारर्रवाई होता न देख एक सप्ताह पूर्व इशरावति की हृदयगति रुकने से मौत हो गई। जिसके क्रम में आज तड़के मृतक महिला की पुत्री आरती कुमारी के नेतृत्व में प्रधानमन्त्री आवास की मांग व दोषी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। जिसके क्रम में मृतक की अनाथ बच्ची आरती गोंड. ने वार्ड सदस्य के ऊपर आरोप लगाते हुए कही कि मेरी माँ इशरावती देवी के नाम वर्ष 22-23 में प्रधानमंत्री आवास आया था जो अब नहीं रहीं। जिसे वार्ड सदस्य व अन्य लोगों की मिली भगत से अलग अलग बैंकों से धोखाधड़ी कर धन निकाल लिया गया। जिसके क्रम में मेरी माँ द्वारा भेजकर अवगत कराया किन्तु आज तक आवास का लाभ नहीं मिल सका और वहीं पुनः जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग किया है। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से निर्मला देवी क्षेत्र पंचायत सदस्य, पार्वती, राजमति, विपती, देवराज, दयाशंकर, जितेन्द्र आदि रहे।अब देखना दिलचस्प होगा कि देश के प्रधान मंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया वादा हर गरीब का होगा अपना छत कितना कारगर होगा। हृदय विदारक घटना के बाद क्या उक्त गरीब आदिवासी दलित/ स्व. निराश्रित महिला के अनाथ बच्चों को आवास की धनराशि या आवास मिल पायेगा या सरकारी फाईलों में दबकर रह जायेगा यह तो भविष्य के गर्भ में जरूर छिपा है।

शिक्षक संघ सोनभद्र पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

सोनभद्र। केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर आज आदर्श इंटर

कॉलेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र के सभागार में जनपदीय कार्यकारिणी की बहुत बैठक आयोजित की गई। जिसमें जनपद से आए हुए विभिन्न विद्यालय से शिक्षक पदाधिकारियों का जिला मंत्री संतोष कुमार मौर्य द्वारा स्वागत अभिनन्दन किया गया। बैठक में गत में कार्यवाही पर विचार करते हुए वर्तमान में होने वाले समस्याओं का निराकरण पर भी चर्चा किया गया। 25 जून को प्रयागराज में हुए एकदिवसीय ग्रीष्मकालीन शैक्षिक संगोष्ठी में प्रस्तावित 16 प्रस्तावों का वाचन अध्यक्ष सुरेश चंद्र कनौजिया द्वारा किया गया। कनौजिया द्वारा सभी शिक्षकों को आश्वासित भी किया गया कि आने वाले समय में कोई समस्या है नहीं होगी। संगठन के कर्मठ पूर्व अध्यक्ष सुनील कुमार राव ने प्रस्तावों के बारे में सुझाव दिया। बैठक मैं उपस्थित कोषाध्यक्ष राकेश चंद्र शुक्ला जनपद के उपाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सिंह डॉ मंजू सिंह प्रेम सिंह अनिल कुमार विश्वकर्मा संदीप सिंह उमेश पाल नहीं आगे रणनीति के बारे में अपने-अपने सुझावों को प्रस्तुत किया। तत्पश्चात पूजा राय ने संगठन के बारे में अपनी राय दी। बैठक के अन्त में केंद्रीय नेतृत्व द्वारा प्रस्तावित 20 अगस्त को जिला विद्यालय शिक्षक कार्यालय पर विशाल धरने का आयोजन किया जाए। बैठक में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे।

नौ जुलाई के राष्ट्रीय आम हड़ताल का भाकपा करेगी पुरज़ोर तरीके से समर्थन,भाकपा की नई जिला कौंसिल की बैठक में ओबीसी आरक्षण फैसले का स्वागत

गुर्मा/सलखन/सोनभद्र। रविवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की जून माह में हुए 15 वें जिला सम्मेलन में चुनें गए नए कौंसिल सदस्यों की पहली बैठक पार्टी के जिला क्षेत्रीय कार्यालय पटवध पर विदित हो कि एक महत्वपूर्ण कदम के तहत मुख्य न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट के गैर - न्यायिक कर्मचारियों की नियुक्तियों में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए रोस्टर बजे से सोनभद्र जिलाधिकारी कार्यालय पर उक्त मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन करेगी। पार्टी सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आह्वान करती हैं कि समय से उपस्थित होकर इस हड़ताल को

पार्टी के सीनियर व मजदूर नेता कामरेड राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। भाकपा जिला कौंसिल की बैठक में अध्यक्षता करते हुए कामरेड राजेन्द्र प्रसाद ने नव निर्वाचित कौंसिल सदस्यों को बधाई दी और नई कौंसिल को पार्टी के जनाधार व उसके मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई और ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला कौंसिल ने गर्मजोशी से स्वागत किया जिस फैसले में न्यायालय ने दिव्यांग जनों, पूर्व सैनिकों तथा स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को भी आरक्षण के दायरे में लाने की घोषणा की है। प्रणाली लागू करने की प्रक्रिया शुरू की है। भाकपा जिला कौंसिल माननीय मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई द्वारा भर्ती नियमों में संशोधन कर इस लंबे समय से लंबित सुधार की शुरुआत करने की पहल की सराहना की है। भाकपा की बैठक में 9 जुलाई के राष्ट्रीय आम हड़ताल को भी सफल बनाने का निर्णय लिया गया है। पार्टी द्वारा जारी किए गए विज्ञप्ति में कहा गया है कि 9 जुलाई को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर राष्ट्रीय आम हड़ताल का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला कौंसिल - सोनभद्र! पूर्ण समर्थन करती है तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सोनभद्र संयुक्त ट्रेड यूनियन के साथ इस हड़ताल में शामिल होकर 9 जुलाई को सुबह 11.00 सफल बनाने में पूरा सहयोग करे। बैठक में पार्टी जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, सह सचिव कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा व कामरेड बसावन गुप्ता, कोषाध्यक्ष कामरेड प्रेम चंद्र , कामरेड राम रक्षा (पूर्व जिला सचिव), कामरेड अमरनाथ सूर्य, कामरेड अनंत उर्फ पप्पू भारती, कामरेड बाबू लाल चेरो, कामरेड कमला प्रसाद, कामरेड नागेन्द्र कुमार, कामरेड लीलावती देवी, कामरेड अरविंद , कामरेड लीलाधर कामरेड तारकेश्वर,कामरेड हृदय नारायण गुप्ता आदि कौंसिल सदस्यगण प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता कामरेड राजेन्द्र प्रसाद ने और संचालन कामरेड आर के शर्मा ने किया।

कुण्डिय गायत्री महायज्ञ एवं एकादशी व्रत कथा सम्पन्न

सोनभद्र। रावटसगंज नगर

स्थित देवशयनी एकादशी को गायत्री ज्ञान मन्दिर परिसर में रविवार को विचार क्रांति अभियान शान्ति कुन्ज हरिद्वार के तत्वावधान में अखिल विश्व गायत्री परिवार सोनभद्र द्वारा आयोजीत एक कुण्डिय गायत्री महायज्ञ एवं एकादशी व्रत कथा सम्पन्न हुई। उक्त अवसर पर शान्ति कुन्ज हरिद्वार में स्थापित अखण्ड ज्योति के सौ साल एवं मां भगवती देवी शर्मा के जन्म सताब्दी के अवसर पर पूरे भारत वर्ष में ज्योति कलश यात्रा निकाली गई है।जो सोनभद्र में 23 अगस्त को आ रही है 31 अगस्त तक जिले में रहेगी फिर चन्दौली जिले में चली जाएगी।ज्योति कलश यात्रा को संपन्न कराने पर चर्चा हुई। जिला सह समन्वयक अरविन्द सिंह, रामदेव, गीता गुप्ता ,उषा देवी, पुष्पा देवी, उर्मिला देवी आदि दर्जनों लोग यज्ञ में भाग लिए।

सोन निषाद मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड की बैठक संपन्न

चोपन। सोन निषाद मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड

द्वारा रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक न्याय पंचायत सिंदुरिया अंतर्गत सुशील साहनी के आवास पर आयोजित की गई। इस बैठक में कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य सोनभद्र द्वारा 'मॉडल बायलाज' को एडाप्ट किए जाने संबंधी आदेश पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति के समस्त सदस्यों की उपस्थिति में मॉडल बायलाज के विभिन्न प्रावधानों पर विचार-विमर्श किया गया और सहमति बनाई गई कि शासन द्वारा निर्देशित मॉडल बायलाज को समिति द्वारा अपनाया जाएगा। बैठक में उपस्थित लोगों ने बताया कि इससे समिति के संचालन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित होगा, साथ ही मत्स्य पालन से जुड़े लाभकारी योजनाओं का सही लाभ भी सदस्यों तक पहुंच सकेगा। इस अवसर पर पंकज चौधरी, दीपू साहनी, गीता देवी, दीपक साहनी, हरिदास साहनी,बलीराम साहनी, राज कुमार साहनी के साथ ही समिति के सदस्यगण, स्थानीय मत्स्य पालक उपस्थित रहे।

बाबा जगमोहनेश्वर धाम, चंद्रापुर मंदिर प्रांगण में श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार व प्रदोष तिथि पर संपन्न किया जाएगा सामूहिक रुद्राभिषेक

सोनभद्र। जगमोहन ईश्वर धाम कमेटी के मुख्य व्यवस्था

प्रभारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया इस वर्ष 4 सोमवार पढ़ रहे हैं पहला सोमवार 14 जुलाई दूसरा सोमवार 21 जुलाई तीसरा सोमवार 28 जुलाई तथा चौथा वह अंतिम सोमवार दिनांक 4 अगस्त को होगा पहला सावन का प्रदोष 22 जुलाई को होगा दूसरा सावन का प्रदोष 6 अगस्त को होगा उक्त तिथियां पर प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक बाबा के दरबार में सामूहिक रुद्राभिषेक संपन्न किया जाएगा जिसमें संपूर्ण पूजन के सामग्री मंदिर परिसर से व्यवस्थित रहेगी सोमवार के अतिरिक्त प्रतिदिन बाबा के गर्भ ग्रह में बैठ करके रुद्राभिषेक संपन्न कराया जाएगा जिसमें भी पूजन सामग्री की व्यवस्था मंदिर परिसर से व्यवस्थित रहेगी इस पावन श्रावण मास में जो 11 जुलाई से प्रारंभ होकर के 9 अगस्त तक रहेगा जो भी भक्तगण रुद्राभिषेक करना चाहते हो कृपया चंद्रत्पुर मंदिर स्थित कार्यालय से संपर्क करके अपना नाम व मोबाइल नंबर कार्यालय के रजिस्टर में अंकित करत दे जिससे कि उनके बैठने की व्यवस्था एवं पूजन सामग्री की व्यवस्था की जा सके व्यवस्था प्रभारी ने बताया कि प्रत्येक सोमवार को मंदिर परिसर की भव्य सजावट कराई जाएगी तथा बाबा के दरबार को भव्य रूप से सजाया जाएगा तथा एक सेल्फी प्वाइंट भी बनाया जाएगा और हर सोमवार को बाबा की शाम श्रृंगार आरती का उपरांत प्रसाद का वितरण किया जाएगा जो भी भक्त बाबा के दरबार में सिंगत्र करना चाहते हो या प्रसाद का वितरण करना चाहते हो कृपया मंदिर स्थित कार्यालय के नंबर 911 87 2988 8 पर संपर्क कर सकते हैं।

लिटिल किड्स प्ले स्कूल एंड डे केयर का हुआ शुभारंभ

सोनभद्र। रविवार देर शाम रावटसगंज नगर स्थित शिवाजी स्टेडियम के समीप

लिटिल किड्स प्ले स्कूल एंड डे केयर का एकादशी के पर्व पर हवन पूजन के साथ हुआ शुभारम्भ। मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख कमला कांत पाण्डेय एव जिला पंचायत सदस्य जय प्रकाश पाण्डेय उर्फ चेखुर द्वारा लिटिल किड्स प्ले स्कूल एंड डे केयर का फीता काटकर शुभारंभ किया गया वहीं अतिथियो ने मां सरस्वती के प्रतिमा दीप प्रज्वलित करते हुए बताया कि शिक्षा क्षेत्र में बच्चों के लिए अच्छे परवरिश के साथ अच्छी शिक्षा की आवश्यकता होती है जिसमें यह स्कूल अहम भूमिका निभाएगा वही पूरी टीम को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं।इस मौके पर अशोक चौबे ,,रोहित पाण्डेय ,अनिल पाण्डेय,पंकज शुक्ल , डॉक्टर विजय विश्वास ,राहुल चतुर्वेदी ,रोहित चतुर्वेदी ,अंशु अग्रहरि एवं प्रांशु शुक्ला उर्फ शिवभोले उपस्थित रहे ।

कीचड़ युक्त सड़कों पर तत्काल गिराए जीएसवी:रूबी प्रसाद,समाधान दिवस सम्भव आए 26 शिकायतों का हुआ निस्तारण

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की

सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें रावटसगंज के न्यू कॉलोनी, अंबेडकर नगर, बरौली गांव सहित कई अन्य वार्डों में हो रही बरसात से सड़क कीचड़ युक्त होने पर रहवासियों द्वारा मामले को अध्यक्ष से अवगत कराया गया जिस पर नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने के व संबंधित सभासदों को तत्काल जीएसवी गिरवाकर आवागमन चालू करने को निर्देशित किया वहीं नगर पालिका के विस्तारित कारण में जुड़े हुए वार्डों में कूड़ेदान के लिए डस्टबिन लगाने को भी संबंधित अधिकारी को दिए निर्देश नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 3, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2. नगर पंचायत चोपन में 5. नगर पंचायत ओबरा में 1. नगर पंचायत रेनुकूट में 0. नगर पंचायत पिपरी में 6, नगर पंचायत दुद्धी में 3. नगर पंचायत डाला बाजार में 2, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर जेई राज कुमार सभासद अनवर अली, मनोज चौबे, राकेश कुमार, नगर पालिका कर्मचारी सुजीत कुमार, विमलेश कुमार, संत सोनी, अजीत सिंह,आकाश आदि उपस्थित रहे।

जिला पंचायत क्षेत्र के चुनाव को मजबूती से लड़ने के लिए पार्टी तैयार:दिनेश बीयार

सोनभद्र। अपना दल एस सोनभद्र जिले की मासिक बैठक जिला कार्यालय, छपका रॉबर्ट्सगंज में जिलाध्यक्ष अंजनी पटेल के अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्यातिथि दिनेश बीयार जिलाध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया। मासिक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि ने कहा कि, संगठन सर्वोपरि होता है, जनपद सोनभद्र में समस्त जिला पंचायत क्षेत्र के चुनाव 2025 और अधिक अधिक सीटों पर विजय प्राप्त करेंगे। साथ अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि जिन पदाधिकारियों ने अच्छा काम किया है उनका पार्टी हमेशा

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, विशिष्ट अतिथि आलोक कुमार पाण्डेय , प्रीति सिंह , अभिषेक पटेल, उपस्थित रहे। मासिक बैठक में बीते बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि पर कार्यक्रम को सफल बनाने वाले पदाधिकारियों को अंग वस्त्र प्रदान कर जिला अध्यक्ष ने स्वागत किया, साथ ही 2 जुलाई 2025 को यशः कायी डॉक्टर सोनेलाल पटेल के जन्म जयंती पर आयोजित जन स्वाभिमान दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्कृष्ट सहयोग प्रदान करने वाले पदाधिकारियों को यशः कायी डॉक्टर सोनेलाल पटेल की प्रतिमा भेंट कर को मजबूती से लड़ने के लिए पार्टी के नीतियों को जन जन तक पहुंचाना होगा। वहीं विशिष्ट अतिथि गणों ने कहा कि संगठन विस्तार हेतु सभी पदाधिकारियों को मिलकर काम करना होगा। अपना दल एस राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किए गए कार्यों को जन जन तक पहुंचाना होगा। मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष ने कहा कि, हमारे पार्टी का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत हो चुका है, आने वाले पंचायत चुनाव में सभी पंचायती सीटों पर पार्टी के पदाधिकारियों को बड़े ही मजबूती के साथ चुनाव लड़ाएगी, सम्मान करती आई है और आगे भी करती रहेगी। मासिक बैठक में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष गण विनोद यादव, शिबू शेख, प्रवीण त्रिपाठी, महासचिव मुकेश पटेल तरंग, जिला सचिव गण राकेश पटेल, सतीश पटेल, सौरभ मौर्य, जिला मीडिया सचिव विकास पटेल, केडी सिंह, दीपक राजपुत, ओमप्रकाश पटेल, सोनी खान, पुष्पराज पटेल, हरिप्रसाद धांगर, अरुण पटेल, गीता चौधरी, सविता आदि सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारत की घर से बाहर सबसे बड़ी जीत,शुभमन बर्मिंघम टेस्ट जीतने वाले इकलौते भारतीय कप्तान, आकाशदीप ने 10 विकेट लिए

नयी दिल्ली। भारत ने इंग्लैंड को बर्मिंघम टेस्ट में 336 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। यह भारत की घरेलू मैदान से बाहर रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत रही। टीम ने बर्मिंघम में पहली बार ही कोई टेस्ट जीता। आकाशदीप ने मैच में 187 रन देकर 10 विकेट लिए। यह बर्मिंघम में किसी भारतीय गेंदबाज का बेस्ट बॉलिंग रिकॉर्ड रहा।1. बर्मिंघम में पहली बार जीता भारत भारत ने बर्मिंघम में पहली बार टेस्ट जीता। टीम यहां 1967 से टेस्ट खेल रही है, लेकिन जीत पहली बार ही मिली। भारत ने इससे पहले बर्मिंघम में 8 टेस्ट खेले थे, 7 गंवाए और एक ड्रॉ कराया। कप्तान शुभमन बर्मिंघम में टेस्ट जीतने वाले भारत के पहले कप्तान बने।2. घर से बाहर भारत की सबसे बड़ी जीत भारत ने इंग्लैंड को बर्मिंघम में 336 रन के बड़े अंतर से हराया। यह घरेलू मैदान से बाहर रन के अंतर से भारत की सबसे बड़ी जीत है। टीम ने इससे पहले 2016 में एंटीगुआ के मैदान पर वेस्टइंडीज को 318 रन से हराया था। कप्तान शुभमन की कप्तानी में भारत ने रन के अंतर से इंग्लैंड में भी सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले टीम ने 1986 में लीड्स के मैदान पर 279 रन से मुकाबला जीता था। 3. आकाशदीप ने बर्मिंघम में बेस्ट बॉलिंग की आकाशदीप ने बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। उन्होंने 187 रन पर 10 विकेट के साथ मैच खत्म किया। वे बर्मिंघम में बेस्ट बॉलिंग करने वाले भारतीय बने। उनसे पहले 1986 में चेतन शर्मा ने 188 रन देकर मैच में 10 विकेट लिए थे।4. शुभमन एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बना दिए। उन्होंने एक टेस्ट में 430 रन बनाए। यह किसी भारतीय प्लेयर और कप्तान के लिए एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड रहा। गिल ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने कप्तानी करते हुए 2017 में श्रीलंका के खिलाफ मैच में 293 रन बनाए थे। गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 344 रन बनाए थे। गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड से महज 27 रन दूर रह गए। एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड इंग्लैंड के ग्राहम गूच के नाम है। जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ ही 456 रन बनाए थे। शुभमन टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले दुनिया के 5वें ही प्लेयर बने। 5. गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर शुभमन गिल ने पहली पारी में 3 और दूसरी पारी में 8 छक्के लगाए। उन्होंने 11 सिक्स लगाकर अपनी बैटिंग खत्म की। इसी के साथ वे इंग्लैंड में एक टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के एंड्रयू फ्लिंटॉफ, बेन स्टोक्स और भारत के ऋषभ पंत को पीछे छोड़ा। तीनों के नाम 9-9 छक्के का रिकॉर्ड था।6. भारत ने पहली बार हजार रन बनाए भारत ने पहली पारी में 587 और दूसरी पारी में 427 रन बना दिए। टीम इंडिया ने मुकाबले में 1014 रन बनाए। टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ जब भारत ने हजार रन का आंकड़ा पार किया। इससे पहले 2003 में सिडनी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने 916 रन बनाए थे।7. बेन स्टोक्स का करियर में पहला गोल्डन डक इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पहली पारी में पहली ही गेंद पर कॉट बिहाइंड हो गए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने बाउंसर फेंक कर विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। 113 टेस्ट के करियर में स्टोक्स 16वीं बार जीरो पर आउट हुए, लेकिन पहली बार ही किसी बॉलर ने उन्हें पहली गेंद पर पवेलियन भेजा। टेस्ट क्रिकेट में बगैर गोल्डन डक के सबसे ज्यादा पारियां खेलने का रिकॉर्ड भारत के राहुल द्रविड़ के नाम है। जो 286 पारियों के बाद गोल्डन डक हुए थे।8. जैमी स्मिथ के नाम इंग्लिश विकेटकीपर का सबसे बड़ा स्कोर जैमी स्मिथ पहली पारी में 184 रन बनाकर नॉटआउट रहे। यह इंग्लैंड के किसी भी विकेटकीपर बैटर का टेस्ट में सबसे बड़ा स्कोर रहा। उन्होंने एलीस स्टीवर्ट का 28 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1997 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 173 रन बनाए थे।9. यशस्वी सबसे तेज 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय यशस्वी जायसवाल ने पहली पारी में 87 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 28 रन बनाए। इसी के साथ उनके 2 हजार टेस्ट रन भी पूरे हो गए। इसके लिए उन्होंने महज 40 पारियां लीं। वे 2 हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले भारत के सबसे तेज बैटर बने। उन्होंने राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग की बराबरी की। दोनों ने भी 40-40 पारियों में 2 हजार टेस्ट रन पूरे किए थे।10. शुभमन ने पहली पारी में 3 रिकाड्र्स बनाए इंग्लैंड में एक पारी में बेस्ट स्कोर बनाया शुभमन इंग्लैंड में एक पारी में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय प्लेयर भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। गावस्कर ने 1979 में द ओवल के मैदान पर 221 रन बनाए थे। इन 2 के अलावा राहुल द्रविड़ ही 2002 में इंग्लैंड के मैदान पर दोहरा शतक लगा सके।एशिया के बाहर बेस्ट टेस्ट स्कोर बनाने वाले भारतीय शुभमन एशिया के बाहर भी एक पारी में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय बने। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2004 में सिडनी के मैदान पर 241 रन बनाए थे।भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर शुभमन की डबल संेचुरी किसी भारतीय कप्तान का भी टेस्ट में बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पुणे में 254 रन की नॉटआउट इनिंग खेली थी।शुभमन गिल एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय बने। उनसे पहले ऋषभ पंत, विराट कोहली, राहुल द्रविड़ और विजय हजारे ही ऐसा कर सके। शुभमन गिल एक टेस्ट में 250 और 150 रन बनाने वाले दुनिया के पहले बैटर बने। ग्राहम गूच और कुमार संगकारा के नाम टेस्ट में 300 और 100 रन बनाने का रिकॉर्ड है। वहीं एलन बॉर्डर के नाम दोनों पारियों में 150 प्लस रन बनाने का रिकॉर्ड था। इंग्लैंड में 22 साल बाद किसी भारतीय ने दोहरा शतक लगाया। 2002 में आखिरी बार राहुल द्रविड़ ने 217 रन बनाए थे। 25 साल 301 दिन के शुभमन गिल एशिया से बाहर टेस्ट जीतने वाले भारत के सबसे युवा कप्तान बने। उनसे पहले 26 साल 202 दिन के सुनील गावस्कर ने 1976 में न्यूजीलैंड जाकर टेस्ट जीता था।

विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं नंबर-1 एरिना सबालेंका,जर्मनी की लौरा सिगमंड भी जीतीं; मेंस डबल्स में वर्ल्ड नंबर-3 जोड़ी उलटफेर का शिकार

नयी दिल्ली। विंबलडन के राउंड ऑफ 16 मुकाबलों में रविवार को वर्ल्ड नंबर-1 एरिना सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने विमेंस सिंगल्स के मैच में बेल्जियम की एलिस मर्टेंस को सीधे सेट में हरा दिया। मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-5 टेलर फ्रिट्ज ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना लिया। विमेंस सिंगल्स में 3 प्लेयर्स जीतीं वर्ल्ड नंबर-1 बेलारूस की एरिना सबालेंका न मर्टेंस को 6-4, 7-6 (7-4) के अंतर से हरा दिया। विमेंस सिंगल्स में उनके अलावा रूस की एनास्तासिया पाव्ल्यूचेंकोवा ने ब्रिटेन की सोनाय कार्टल को 7-6 (7-3), 6-4 से हराया। वहीं जर्मनी की लौरा सिगमंड ने अर्जेंटीना की सोलाना सिएरा को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।मेंस डबल्स में नंबर-1 जोड़ी जीतीं मेंस डबल्स में अर्जेंटीना के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पाविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दोनों की नंबर-1 जोड़ी ने चेक रिपब्लिक के पैट्रिक रिकल और पीटर नौजा की जोड़ी को 7-5, 7-6 (15-13) के अंतर से हराया। मेंस डबल्स में वर्ल्ड नंबर-3 जर्मनी के टिम पुट्ज और केविन क्राविट्ज की जोड़ी को उलटफेर का शिकार होना पड़ा। दोनों को ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजीकाता और नीदरलैंड के डेविड पेल की जोड़ी ने 6-2, 6-4 से हरा दिया। अन्य मुकाबलों में ब्राजील के मार्सेलो मेलो और राफेल माटोस की जोड़ी ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

वहीं वर्ल्ड नंबर-10 जोड़ी मोनाको के ह्यूगो नायस और फ्रांचस एडोर्ड रोजर वैसलीन को भी जीत मिल गई।

मेंस सिंगल्स में फ्रिट्ज जीते मेंस सिंगल्स के में वर्ल्ड नंबर-5 अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को ऑस्ट्रेलिया को जॉर्डन थॉम्पसन के खिलाफ वॉकओवर मिल गया। वॉकओवर के वक्त फ्रिट्ज 6-1, 3-0 से आगे थे। वहीं दूसरे मुकाबले में रूस के कैरेन खाचनोव ने पोलैंड के कामिल माजरेक को 6-4, 6-2, 6-3 से हरा दिया।

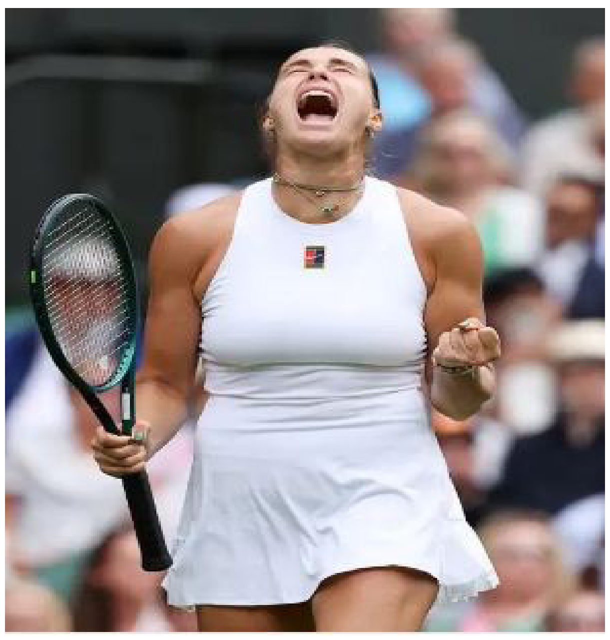

गिल को भरोसा था, बर्मिंघम में बनाएंगे रिकॉर्ड,ब्रिटिश पत्रकार ने कहा- भारत यहां कभी नहीं जीता, शुभमन बोले- मेरे पास जीतने वाली टीम है

नयी दिल्ली। टीम इंडिया ने बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से हरा दिया। बर्मिंघम में 58 साल में भारतीय टीम की यह पहली जीत है। इससे पहले यहां खेले 8 टेस्ट में से 7 में भारत को हार मिली थी और 1 मुकाबला ड्रॉ हुआ था। दूसरे टेस्ट से पहले जब टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल से एक ब्रिटिश पत्रकार ने पूछा था, कि आपको कोई आइडिया है कि भारत ने यहां पर एक भी मैच क्यों नहीं जीता हैं। गिल ने कहा था कि मेरे पास ऐसी टीम है, जो जीत सकती है। गिल की यह कथन सही साबित हुई। कप्तान शुभमन गिल ने दोनों पारियों को मिलाकर 430 रन बनाए। वहीं, आकाशदीप ने 10 विकेट लिए।भारतीय टीम शुरू से इस मैच में इंग्लैंड से आगे रही। टॉप ऑडर के साथ इस बार मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत को बड़ा स्कोर बदलने में साथ दिया। भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 587 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने 269 रनों की पारी खेली। गिल के अलावा ओपनर यशस्वी जायसवाल 87 रन बनाए तो निचले क्रम में रवींद्र जडेजा ने 89 और वाशिंगटन सुंदर ने 42 रन बनाकर गिल का साथ दिया। जवाब में इंग्लैंड पहली पारी 407 रन पर सिमट गई। मोहम्मद सिराज ने 6 और आकाशदीप ने 4 खिलाड़ियों को आउट किया।भारत ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 427 रन के स्कोर पर घोषित कर दी। गिल फिर टॉप स्कोरर रहे और 161 रन बनाए। केएल राहुल ने 55 और ऋषभ पंत ने 65, रविंद्र जडेजा ने नाबाद 69 रन की पारी खेली। वहीं, 606 रन के टारगेट करने उतरी इंग्लैंड टीम को भारतीय गेंदबाजों ने 271 रन पर रोक दिया। आकाशदीप ने 6 विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर ने 1-1 विकेट लिए। विराट, रोहित और बुमराह जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी में युवा टीम पर शायद ही किसी को ऐसे कारनामे की उम्मीद थी। भले ही भारतीय टीम को लीड्स में 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ता हो, पर गिल की कप्तानी वाली युवा टीम ने बताया दिया था कि वह इंग्लैंड में मजबूत इरादे से आए हैं। इस मैच में 5 शतक बने। पहली पारी में यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने शतक ठोका। दूसरी पारी में पंत के अलावा राहुल के बल्ले से शतक निकला। भारत एक टेस्ट में 5 शतक लगाने के बाद भी हार झेलने वाला पहला देश बना था।

डब्लूटीसी पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंचा भारत,ऑस्ट्रेलिया वेस्टइंडीज को हराकर नंबर-1,इंग्लैंड 12 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर

नयी दिल्ली। टीम इंडिया ने 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) साइकल में पहली जीत दर्ज की है। भारत ने इंग्लैंड को एजबेस्टन टेस्ट में 336 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत को 12 डब्लूटीसी अंक मिले और उनका पॉइंट परसेंटेज 50.00 हो गया है। भारत अब डब्लूटीसी टेबल में इंग्लैंड के साथ तीसरे स्थान पर है। डब्लूटीसी पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया है। टीम ने वेस्टइंडीज को उन्हीं के घर पर लगातार 2 टेस्ट हराए हैं। ऑस्ट्रेलिया के 24 पॉइंट्स हैं। दूसरे नंबर पर बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में हारने वाली श्रीलंकाई टीम है। श्रीलंका के 2 मैच में एक ड्रॉ और एक जीत के साथ 16 पॉइंट्स हैं।डब्लूटीसी टेबल की सिचुएशन डब्लूटीसी 2025-27 की शुरुआत श्रीलंका-बांग्लादेश के पहले मैच से हुई। यह मैच ड्रॉ रहा था। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच हेडिंग्ले से इस सीरीज की शुरुआत की। टीम को में 5 विकेट से हार मिली थी। न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका ने इस सीजन अभी एक भी टेस्ट नहीं खेला है। नीचे टीम के हिसाब से डब्लूटीसी पॉइंट्स टेबल...ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर- 100फीसदी पॉइंट परसेंटेज, वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीत ली है, एक मैच बाकी है। श्रीलंका दूसरे स्थान पर- 66.67फीसदी पॉइंट परसेंटेज, बांग्लादेश के खिलाफ 1 जीत और 1 ड्रॉ।भारत और इंग्लैंड तीसरे और चौथे- संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। दोनों के 50.00फीसदी पॉइंट परसेंटेज हैं। सीरीज में अभी 3 मैच बाकी है।बांग्लादेश पांचवें स्थान पर- श्रीलंका के खिलाफ एक ड्रॉ और एक हार के बाद बांग्लादेश 16.67फीसदी पॉइंट परसेंटेज के साथ पांचवें स्थान पर है। वेस्टइंडीज छठे स्थान पर- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 मैच हारने के बाद वेस्टइंडीज 0 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका- अभी तक डब्लूटीसी 2025-27 साइकिल की शुरुआत नहीं की है। बर्मिंघम टेस्ट की 3 खास बातें...यह भारत की विदेशी जमीन पर (रनों के हिसाब से) सबसे बड़ी टेस्ट जीत है। एजबेस्टन में पहली बार भारत ने कोई टेस्ट मैच जीता है। शुभमन गिल पहले एशियाई कप्तान हैं, जिन्होंने बर्मिंघम में जीत दर्ज की है अगला टेस्टः लॉर्ड्स में मुकाबला भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में शुरू होगा। यह मुकाबला डब्लूटीसी टेबल में शुरुआती रेस को और रोमांचक बना सकता है। जसप्रीत बुमराह की वापसी और कप्तान शुभमन गिल की शानदार फॉर्म से भारत को मजबूती मिलेगी। टीम का लक्ष्य होगा कि वे इस जीत की लय को बरकरार रखते हुए तीसरी बार डब्लूटीसी फाइनल में पहुंचने का।

कैप्टन कूल धोनी 44के,रांची में दोस्तों के साथ मनाया बर्थडे, केक काटने से पहले इजाजत भी ली, बोले- केक कट कर दूं

नयी दिल्ली। टीम इंडिया को अपनी कप्तानी में 3 आईसीसी ट्रॉफी दिलाने वाले महेंद्र सिंह धोनी ने सोमवार को अपना 44वां जन्मदिन मनाया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें धोनी केक काटने से पहले दोस्तों से इजाजत लेते नजर आ रहे हैं। धोनी ने रांची स्थित अपने फार्महाउस पर करीबी दोस्तों के साथ बर्थडे सेलिब्रेट किया। वीडियो में दिख रहा है कि जैसे ही केक लाया जाता है, धोनी मुस्कराते हुए पूछते हैं, कट कर दूं? इस पर वहां खड़े एक दोस्त ने जवाब दिया 'हां'। इसके बाद धोनी ने अपने सभी दोस्तों को केक खिलाया। तीन आईसीसी ट्रॉफी जिताने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान धोनी अब तक के एकमात्र भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने भारत को तीन आईसीसी ट्रॉफी, 2007 टी 20 वर्ल्ड कप, 2011 ओडीआई वर्ल्ड कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जिताई हैं। उनके नेतृत्व में भारत टेस्ट में भी नंबर-1 टीम बना। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप उनके संन्यास लेने के बाद शुरू हुई। उन्होंने 2014 में टेस्ट से और 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन आईपीएल में अब भी खेल रहे हैं। 2007ः जोगिंदर को आखिरी ओवर दिया 2007 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल पाकिस्तान के खिलाफ खेला जा रहा था। आखिरी ओवर में पाकिस्तान को 13 रन चाहिए थे। ऐसे में धोनी ने कम अनुभव वाले गेंदबाज जोगिंदर शर्मा को आखिरी ओवर दिया और उन्होंने मैच जिता दिया। 2011 ः वर्ल्ड कप फाइनल में बैटिंग ऑर्डर बदला श्रीलंका से वर्ल्ड कप फाइनल में जब भारत मुश्किल में था, तब धोनी ने फॉर्म में चल रहे युवराज सिंह से पहले खुद बैटिंग करने का फैसला लिया। उन्होंने नाबाद 91 रन बनाकर भारत को 28 साल बाद विश्व कप जिताया।2012ः टेस्ट सीरीज 4-0 से हारे, मीडिया की तीखे सवालों पर शांत रहे 2012 भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत को 4-0 से हार मिली थी, लेकिन धोनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में न तो टीम को कोसा, न ही नाराजगी दिखाई। उन्होंने जर्नलिस्ट के सवाल पर शांत होकर कहा कि सीखना जरूरी है। 2016 ः बांग्लादेश के खिलाफ रनआउट से जिताया 2016 टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर 2 रन चाहिए थे। धोनी ने ग्लव्स उतारकर खुद रनआउट के लिए दौड़ लगाई और मैच जिता दिया।2018ः वापसी के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को चैंपियन बनाया 2 साल के बैन के बाद सीएसके की टीम लौटी, सभी ने टीम को 'डड्स आर्मी' कहा। लेकिन धोनी ने बेहद ठंडे दिमाग और अनुभव के साथ टीम को संभाला।वनडे में 200 मैचों में कप्तानी की वनडे में धोनी ने 200 मैचों में कप्तानी की है। जिसमें उन्हें 110 जीत मिली। जबकि 74 मैचों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। धोनी ने 2011 में भारत को वनडे वर्ल्ड कप दिलाया। 2013 में भारत की कप्तानी में धोनी ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। पहले टी-20 वर्ल्ड कप में जीत हासिल की धोनी ने 2007 के पहले टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर जीत हासिल की। टी20 इंटरनेशनल में धोनी ने 98 मैच खेले। इसमें उन्होंने 37.60 की औसत से 126.13 की स्ट्राइक रेट से 1617 रन बनाए। बतौर कप्तान 72 टी20 मैचों में उन्हें 41 जीत मिली। टेस्ट क्रिकेट में 27 में जीत दर्ज की टेस्ट क्रिकेट में भी धोनी ने शानदार कप्तानी की। उन्होंने 90 टेस्ट में 4,876 रन बनाए। इस दौरान धोनी के नाम 6 शतक और 33 अर्धशतक भी हैं। उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की, इसमें उन्हें 27 में जीत मिली। धोनी ने भारत को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बनाया। साथ ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो बार उन्हें 4-0 से हराया। आईपीएल में अभी खेल रहे हैं धोनी धोनी इंटरनेशनल फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं लेकिन आईपीएल में वे खेल रहे। 5 बार चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल में जीत दिलाने वाले धोनी ने 2025 के सीजन में भी कप्तानी की। उन्होंने 278 मैच, 5,439 रन बनाए। 24 अर्धशतक भी लगाए। 10 जून को एमएस धोनी को आईसीसी ने हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था। वे यह सम्मान पाने वाले 11वें भारतीय खिलाड़ी बने थे। धोनी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था- 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में नाम आना एक बहुत बड़ा सम्मान है। दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम देखना मेरे लिए गर्व की बात है। यह पल मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।'

आकाश दीप बोले-प्रदर्शन कैंसर से लड़ रही बहन को समर्पित,उसके चेहरे पर मुस्कान आएगी,गिल ने कहा- ड्यूक बॉल जल्दी खराब हो रहा

नयी दिल्ली। बर्मिंघम टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले आकाश दीप ने अपना प्रदर्शन कैंसर से लड़ रही अपनी बहन को डेडिकेट किया है। उन्होंने जीत के बाद कहा- 'हर बार जब मैं गेंद लेता तो उसके विचार और तस्वीर मेरे दिमाग में आ जाती। यह प्रदर्शन उसे समर्पित है।' वे चेतेश्वर पुजारा से बात करते हुए इमोशनल हो गए। आकाशदीप ने कहा- 'मैंने इस बारे में किसी से बात नहीं की है, लेकिन 2 महीने पहले मेरी बहन को कैंसर का पता चला था। वो मेरे प्रदर्शन से बहुत खुश होगी और उसके चेहरे पर मुस्कान आएगी।' आकाश दीप ने पुजारा से अपने इमोशन कंट्रोल करते हुए कहा- 'मैं उससे कहना चाहता हूं, बहन, हम सब तुम्हारे साथ हैं।' आकाश दीप मैच के बारे में बात करते हुए आकाश दीप खुश थे, क्योंकि उन्होंने जो योजना बनाईं, वे कारगर रहीं। उन्होंने कहा, 'मैंने लॉर्ड्स के लिए अपनी रणनीति के बारे में नहीं सोचा है, लेकिन यह यहां की रणनीति से बहुत अलग नहीं होगी।' आकाश दीप ने एजबेस्टन मैदान पर

इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट झटके थे। मैच के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 'ड्यूक' की आलोचना की। भारतीय कप्तान ने कहा- 'गेंदबाजों के लिए यह बहुत मुश्किल है। गेंद बहुत जल्दी खराब हो जाती है। यह बहुत जल्दी नरम हो रही है। मुझे नहीं पता कि यह क्या है, यह विकेट हो या कुछ और। पर गेंदबाजों के लिए यह मुश्किल है। ऐसी परिस्थितियों में विकेट लेना बहुत मुश्किल है, जहां उनके लिए कुछ भी नहीं है।' गिल ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा, 'और एक टीम के रूप में जब आप जानते हैं कि ऐसी परिस्थितियों में विकेट लेना मुश्किल है तो बहुत सी चीजें आपके नियंत्रण से बाहर होती हैं। गेंदबाजों के लिए थोड़ी मदद होनी चाहिए। अगर गेंद कुछ मूवमेंट कर रही है तो आप किसी तरह से कुछ योजना बना सकते हैं और तभी खेलना मजेदार होता है।' गिल ने दूसरे टेस्ट में 430 रन बनाए। हमने हर तरीका आजमायाः बेन स्टोक्स 'जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता गया, हालात भारत के पक्ष में होते चले गए। हमने हर तरीका आजमाया, प्लांस बदले, जो बन सका वो किया, लेकिन जब एक टीम आप पर हावी हो जाती है, तो लय वापस पाना मुश्किल होता है। खासकर तब जब सामने वर्ल्ड क्लास टीम हो। शुभमन ने शानदार खेल दिखाया। ये एक कठिन मुकाबला रहा।' पिछले मैच में जो कमियां थी, उन्हीं पर खरे उतरेः शुभमन गिल पिछले मैच में जो कमियां थी, इसमें इस बार हम उन सभी पर खरे उतरे। जैसे हमने बॉलिंग और फील्डिंग से वापसी की, वो देखने लायक था। हमें पता था कि अगर हम 400-500 रन बना लेते हैं, तो वो काफी होंगे। हर मैच हेडिंग्ले जैसा नहीं होगा।' गिल ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा- 'गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। हमने जिस तरह से उनके टॉप ऑर्डर को बिखेरा, वह काबिल-ए-तारीफी था। प्रसिद्ध कृष्णा को ज्यादा विकेट नहीं मिले, लेकिन उन्होंने जबरदस्त गेंदबाजी की। आकाश ने लगातार सही लेंथ पर बॉलिंग की और गेंद को दूसरी ओर स्विंग कराया। बुमराह लॉर्ड्स में वापसी करेंगे। लॉर्ड्स में टेस्ट मैच में अपने देश की कप्तानी से बड़ा सम्मान नहीं हो सकता।' भारत के पूर्व बल्लेबाज और महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने दूसरे टेस्ट में टीम की जीत पर बधाई दी।

उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान के साथ नागपुर के हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और वो धैर्य था, जो वह मरीज की बात सुनने में देते थे। यह बिल्कुल वही बात है, जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श देना शुरु किया और फिर इसमें कई वर्षों तक बहुत मामूली बढ़ोतरी करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस शीट और लाभ, टारगेट, रेवेन्यू के जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दवाब चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए। ऐसे में एक व्यक्ति के लिए जीवन दिनों-दिन असुरक्षा की भावना से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या हमने जेपी आंदोलन के सवालों पर गौर किया है?

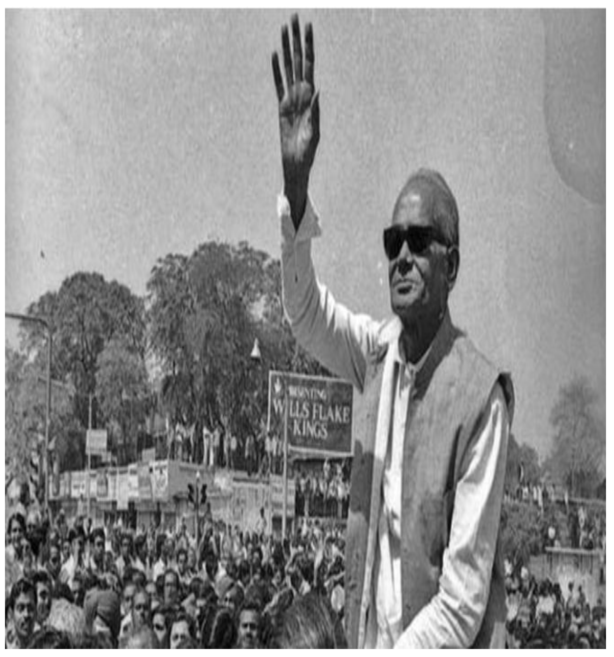

(अभय कुमार दुबे) इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में अपनी कुर्सी बचाने के लिए थोपे गए आपातकाल की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। मैं, मेरे पिता और मेरा परिवार भी आपातकाल में राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार रहा है। लेकिन क्या आपातकाल से हमने, हमारे नेताओं ने और हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली ने कोई सबक सीखा है? इस सवाल का जवाब आपातकाल में जेल गए लोगों के अनुभव से पैदा हुई तल्खी से परे जाता है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि आपातकाल लगाने की नौबत जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चले 1974 के आंदोलन की बदौलत आई थी। इस आंदोलन के मर्म में लोकतांत्रिक राजनीतिक सुधारों का प्रश्न था। आज हम चाहें तो इस प्रश्न को इस रूप में समझ सकते हैं कि उस जमाने के आंदोलनकारी छात्र और युवा पूछ रहे थे कि हमारा प्रतिनिधि कैसा होना चाहिए? अगर वह अच्छे प्रतिनिधि की कसौटियों पर खरा नहीं उतरता तो क्या जनता को अपने प्रतिनिधि की वापसी का अधिकार नहीं देना चाहिए? क्या चुनाव में होने वाले राजनीतिक भ्रष्टचार को नियंत्रित करने वाली संहिताएं नहीं बननी चाहिए? क्या पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं होना चाहिए? क्या सत्ता पाने के लिए धनबल और बाहुबल का उन्मूलन करने के संस्थागत बंदोबस्त नहीं होने चाहिए? क्या धर्म और जाति के आधार पर वोटों की गोलबंदी पर रोक नहीं लगनी चाहिए? आपातकाल के बाद भी कांग्रेस 19 साल सत्ता में रही है। भाजपा भी 17 साल सत्ता भोग चुकी है। हर तरह की क्षेत्रीय पार्टी किसी न किसी रूप में प्रदेश या केंद्र में कभी न कभी सत्ता प्राप्त कर चुकी है। क्या इनमें से कोई पार्टी आज कह सकती है कि उसने जेपी आंदोलन द्वारा उठाए गए सवालों पर कभी गौर किया है, या उनके आधार पर अपने घोषणापत्र बनाए हैं? वास्तविकता में जो हुआ, वह उस आंदोलन के शब्दों और भावनाओं का ठीक उल्टा है। पिछले पचास साल में भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आई है। 1975 में पक्ष हो या विपक्ष, चुनाव आयोग एवं अन्य वैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर कोई संदेह नहीं करता था। पत्रकार का मुख्य काम सत्ता से सवाल पूछना था, न कि वह उसे क्लीन चिट देते हुए विपक्ष को कोने में धकेलता हुआ दिखता था। अर्थव्यवस्था के जो भी आंकड़े होते थे, उन पर कोई संदेह नहीं करता था। आपातकाल के महीनों को छोड़ दिया जाए तो संसद में कानून बनाने की प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक और स्वस्थ विचार-विमर्श पर आधारित थी। विपक्ष-मुक्त भारत बनाने के दावे खुलेआम नहीं किए जाते थे। कॉर्पोरेट पूंजी सत्ता की संरचनाओं को नियंत्रित करते हुए नहीं देखी जाती थी। पार्टियां अपना सांगठनिक विस्तार दलबदल के जरिए नहीं करती थीं। एक राज्यसभा चुनाव में सौ करोड़ से भी ज्यादा खर्च किए जाएंगे, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। राजनीति से जुड़े प्रभावशाली लोग आपराधिक प्रकरणों में लिप्त दिखाई देंगे, सोचना भी कठिन था। क्या यह अजीब नहीं लगता कि लोकतंत्र के चौतरफा विकृतीकरण के इस भीषण दौर में आपातकाल के दौरान जेल गए लोग स्वयं को नागरिक और राजनीतिक अधिकारों के अग्रदूत के तौर पर पेश करते हैं? जो लोग तब जेल में थे (चाहे वे पत्रकार हों या नेता), उन्होंने लोकतंत्र को समृद्ध करने की दिशा में कदम उठाया है? आपातकाल का जो राजनीतिक इतिहास पेश किया जा रहा है, वह भी तथ्यात्मक दृष्टि से सही नहीं है। 1977 में इंदिरा गांधी अलोकप्रिय जरूर थीं, लेकिन केवल उत्तर भारत में। दक्षिण ने उस चुनाव में भी कांग्रेस को 150 से ज्यादा सीटें दी थीं। सत्ताच्युत हो जाने के बावजूद कांग्रेस को 34.52फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। यानी, 2014 में भाजपा की जीत से भी अधिक। आपातकाल के ढाई साल बाद कांग्रेस 353 सीटें जीतकर सत्ता में लौट आई। उसे 42.69फीसदी वोट मिले, जो भाजपा को आज तक नहीं मिले हैं। तो क्या वास्तव में देश की जनता ने 1977 में नागरिक आजादियों के छिन जाने से नाराज होकर वोट दिया था? क्या वह वोट इमरजेंसी-विरोधी था, या उसका चरित्र महज नसबंदी विरोधी था? कांग्रेस केवल उन्हीं इलाकों में हारी थी, जहां जबरिया नसबंदी कार्यक्रम चलाया गया था। इसी से जुड़ा व्यापक प्रश्न है कि क्या आमजन को अपनी राजनीतिक आजादियां उतनी ही और उसी तरह से प्यारी हैं, जिस तरह हम सिद्धांततः मानना पसंद करते हैं? सच यह है कि इमरजेंसी से किसी ने कोई सबक नहीं सीखा। न उन्होंने जिन्होंने लगाई थी, न उन्होंने जिन्होंने तथाकथित दूसरी आजादी के लिए संघर्ष किया था। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर गम्भीरतापूर्वक विचार शुरू कर दें। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर विचार शुरू कर दें। अगर हमने ऐसा न किया तो हमारा लोकतंत्र एक आत्माविहीन शरीर जैसा ही रहेगा।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमेरिका में अब समाजवाद क्यों लोकप्रिय हो रहा है?

(शेखर गुप्ता) जोहरान ममदानी चर्चा के विषय बनने वाले हैं। दुनिया के सबसे उदार, शक्तिशाली और समृद्ध यहूदी-बहुल शहर की बागडोर उनके हाथों में आने वाली है। वे गाजा के समर्थक हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति के अपने इलाके में जबरदस्त ट्रम्प-विरोध को बुलंद करते हैं और डेमोक्रेटिक लेफ्ट की पैरोकारी करते हैं।ट्रम्प ने उन्हें 'सौ फीसदी कम्युनिस्ट पागल' कहा है। ट्रम्प उनके उत्कर्ष के लिए डेमोक्रेटिक लेफ्ट की चार महिला नेताओं की 'चौकड़ी' को जिम्मेदार मानते हैं। वैसे ट्रम्प से अपमानित होने का न्यूयॉर्क में कोई बुरा नहीं मानता। लेकिन मैं ममदानी के कुछ प्रमुख चुनावी वादों की चर्चा करूंगा। वे बसों का किराया खत्म कर देंगे (दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना और इसके बाद और सारे शहर गौर करें); सब्सिडी से बनाए गए 20 लाख आवासों का किराया 'फ्रीज' कर देंगे (हम अपने रेंट कंट्रोल एक्ट को याद करें); सार्वजनिक आवास विकास एजेंसी (भारत के हर शहर में डीडीए, म्हाडा, बीडीए आदि हैं) के जरिए तीन साल के अंदर दो लाख और आवास बनवाएंगे; छह सप्ताह के नवजात शिशुओं से लेकर पांच साल तक के बच्चों को व्यापक बाल सुरक्षा सेवा (आंगनवाड़ी?) उपलब्ध करवाएंगे; और सरकारी किराना स्टोर खोलेंगे, जिनमें कम कीमत पर सामान मिलेंगे। आपको अपनी राशन की दुकानों, केंद्रीय भंडारों और सहकारी सुपर मार्केट की याद है न? इन सारे कार्यक्रमों को भारतीयों की दो पीढ़ियां समाजवादी राज्य-व्यवस्था की भारी नाकामियों के रूप में याद करती हैं। जिस तरह मैं 10 साल की उम्र में अपनी मां के साथ हर चीज खरीदने के लिए राशन की दुकान के आगे लाइन में खड़ा हुआ करता था, उस तरह अगर आप भी खड़े हुए होंगे तब आप समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं। इन सरकारी दुकानों में कामगार तबकों के लिए चीनी (1967 में प्रति व्यक्ति प्रति सप्ताह 200 ग्राम के हिसाब से), गेहूं से लेकर मीटर के नाप से कपड़े तक हर चीज उपलब्ध होती थी। आपने अपने शहरों में कामगार तबकों के लिए बनाए गए सरकारी आवासों को भी जरूर देखा होगा, जिन्हें कंक्रीट का स्लम कहा जाता है। हर शहर में आपको वे मिल जाएंगे। हमारी मुफ्त बस सेवाएं राज्य सरकारों की आर्थिक तंगी के कारण नाकाम हो रही हैं। ऐसी सारी योजनाएं जो अपने देश में विफल हो गईं, उन्हें ममदानी उस शहर में दोहराना चाहते हैं जिसे लाखों भारतीयों ने मुख्यतः आर्थिक शरणार्थी के रूप में अपना नया घर बनाया है। ममदानी इतनी कम उम्र के हैं कि उन्होंने ये सारे विचार भारत से शायद ही लिए होंगे, और यह भी मुमकिन नहीं है कि उनके अभिभावकों ने इस सबका खुद बहुत अनुभव लिया होगा। लेकिन, जिस देश ने आधुनिक विश्व को पूंजीवादी सपना दिया और जो शहर तेज कामयाबी का प्रतीक माना जाता है, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है, वे सब डेमोक्रेटों के नियंत्रण में हैं। और ममदानी उस 'दस्ते' के भी बाएं खड़े हैं। जिस शहर को पूंजीवादी सफलता का ब्रांड-दूत होना चाहिए था, यह उसका विरोधाभास है। या ऐसा तो नहीं है कि इस तरह की सफलता अंततः समाजवाद के लिए जमीन तैयार करती है? कि आप इतने अमीर हो गए हैं कि समाजवाद की छूट दे सकते हैं? यूरोप ने जब खूब अमीरी हासिल कर ली तब धुर वामपंथ की ओर मुड़ गया था, और अब रास्ता बदल रहा है। समृद्ध समाजों में समाजवाद प्रवासियों को आकर्षित करता है और इसके साथ नस्ली, धार्मिक विविधताएं भी लाता है। सच कहें तो दूर देशों के जनजातीय आंतरिक संघर्षों को भी ले आता है। इसके खिलाफ प्रतिक्रिया होती है और दक्षिणपंथ लौट आता है। ऐसा स्कैंडिनेविया में भी हुआ, जिसे सर्वश्रेष्ठ समाजवाद का घर माना जाता है। भारत की समस्या यह है कि बुरे विचारों ने इसका पीछा कभी नहीं छोड़ा। केवल अच्छे लोग और सर्वश्रेष्ठ दिमाग इसे छोड़कर चले गए। सबसे शानदार, सबसे महत्वाकांक्षी, उद्यमी भारतीयों ने अमेरिका को अपना घर बना लिया। वे हमारे फर्जी समाजवाद से नहीं, तो आखिर किससे भाग रहे थे? आज जो भी भारतीय 'डंकी रूट' की खातिर अपना जीवन जोखिम में डालता है, वह समाजवाद से भाग रहा होता है। जांच कीजिए कि सरकार वितरणवादी जनकल्याण पर कितना खर्च कर रही है और दक्षिणपंथी मानी गई भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय समाजवादियों की रेवड़ी संस्कृति को आज किस हद तक अपना लिया है। जिस देश ने विश्व को पूंजीवादी सपना दिया, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

पुकार! किसी के पास कान हो तो सुने!

हर तरफ बादल हैं। बारिश है। बाढ़ भी। पहाड़ों पर तबाही ज्यादा है। वे सरक रहे हैं। दरक रहे हैं। मैदानों में हमेशा की तरह कहीं भारी बारिश। कहीं बूंदा-बांदी। लेकिन बिहार जहां इन? दिनों अमूमन बाढ़ होती है, फिलहाल सूखा है। गर्मी है। चुनावी गर्मी। यहां चुनाव होने हैं अक्टूबर-नवम्बर में, लेकिन चुनावी गर्मी अभी से सिर चढ़कर बोल रही है। कभी विरोधी दलों के लोग, लालू यादव को चारा खाते दिखा रहे हैं। कहीं तेजस्वी और लालू, नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कस रहे हैं। सवाल पर सवाल। जवाब पर जवाब। बाकायदा एक-दूसरे के खिलाफ चौराहों पर पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। दरअसल, बिहार में चुनाव, मुद्दों और मसलों पर कम, जातीय गणित के हिसाब से ज्यादा जीते जाते हैं। बारिश के दिनों में वर्षों से आधे से ज्यादा बिहार पानी में डूबा रहता है। लोग सड़कों पर अपना डेरा बांधते हैं और चौमासा वहीं गुजारते हैं। कोई स्थायी इलाज नहीं। कोई पुख्ता उपाय नहीं। कोई रहने-खाने का इंतजाम नहीं। जातीयता हर बाढ़ और हर आफत पर भारी है। इस जातीय गणित ने पूरे राज्य का बंटाधार कर रखा है। जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को वहां हराना है तो नीतीश कुमार और लालू यादव के राजद को साथ आना होता है। जहां तक राजद की बात है, बिहार में यादवों की संख्या या प्रतिशत काफी है, इसलिए लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश कुमार को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं। हालांकि राज्य की राजनीति में उनकी पार्टी का कोई ज्यादा योगदान नहीं रहा क्योंकि वे केंद्र की राजनीति में ज्यादा भरोसा करते हैं। जितने सांसद लड़ाते हैं, अक्सर सब के सब जीत ही जाते हैं। यहां अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों का अंदाजा लगाया जाए तो लोगों का कहना है कि अगर कोई अनहोनी या आसमानी सुल्तानी नहीं हुई, तो ये नतीजे भी हरियाणा या बहुत हद तक महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से ज्यादा अलग नहीं होंगे। हरियाणा में भाजपा की एकतरफा जीत हुई थी जबकि महाराष्ट्र में मिली-जुली। महाराष्ट्र के नतीजे इस तरह आए थे कि भाजपा से उसके दोनों साथी यानी शिंदे सेना और अजित पवार किसी तरह की सौदेबाजी की सूरत में नहीं रहे थे। यही वजह है कि वहां फडणवीस सरकार मजे से चल रही है। दोनों सहयोगी दलों में से एक बगावत भी कर ले तो सरकार की सेहत पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। इधर उत्तर भारत में रह-रहकर बादल बरस रहे हैं। गलियां, सड़कें सुड़क-सुड़क कर रही हैं। वाहन चीखें मार रहे हैं। दिन उगता है तो लगता है जैसे सूरज शर्मीला चम्पा का फूल हो! उठने से पहले ही जैसे डूबने को होता है। सांझ से ही सन्नाटा छा जाता है। बारिश की मंद-मंद फुहारें, जैसे पाला पड़ रहा हो! बूढ़ा आकाश शाम से ही ऊंघने लगता है। उसकी आंखों में नींद साफ देखी जा सकती है। कीचड़ और पानी के मिलन के बीच सड़कों पर पैदल चलते आदमी की तो पूछिए मत! वो सबको झेल रहा है। दोपहिया-चार पहिया वाहनों को भी और ऊपर से बरसते पानी को भी। सरकारें, प्रशासन और प्रशासनिक अफसर दुबके पड़े हैं। उन्हें किसी की पड़ी नहीं है। आम आदमी बेहाल है। अपनी पीड़ा किससे कहे? कहां जाए? सरकार में, प्रशासन में, मंत्री, संतरी, अफसर, बाबू, किसी के पास कान हों तो सुने! युगों-युगों से आम आदमी के तो दो ही मजबूत आसरे रहे हैं। पैरों में रास्ता और सिर पर आसमां। बड़ी बर्दाश्त है इसके भीतर। कभी बड़ा बेखौफ होकर बोलता था। अब उसके मुंह में मूंग ओर दिए गए हैं। उससे बोलते नहीं बनता। सबकुछ भीतर दबाए फिरता है। इधर से उधर। उधर से इधर। इस इधर-उधर में अक्सर भूल ही जाता है कि उसका सिरा आखिर कौन-सा है! ये आम आदमी जो वर्षों से सपने देख रहा था, उन्हें खुद ही धुलते हुए, बहते हुए देखने को विवश है। विवश है कि बड़े-बड़े वादे करके वोट ले जाने वाले लोग अचानक गायब हो जाते हैं और वे वादे वहीं गलियों में, टूटी-फूटी सड़कों पर पड़े कुचलते रहते हैं। सड़ते रहते हैं। फिर भी वह अपने ही सपनों को, अपने ही पैरों तले कुचलते हुए, दबते हुए देखता रहता है। उसे आजादी है तो सिर्फ इतनी कि इन मची हुई सड़कों, गलियों में सकुचाते हुए चलता भर रहे। बस! इससे ज्यादा कुछ नहीं। कुछ भी नहीं।बिहार में जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को हराना है तो नीतीश और लालू को साथ आना होता है। और लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं।

चिंतन कर रहे हों तो उस समय गहरी सांस लेते रहें

हम लोग अपनी बुद्धि का भी सही उपयोग नहीं कर पाते हैं। अधिकांश मौकों पर हमारी बुद्धि का संचालन मन करता है। जबकि संचालन होना चाहिए मस्तिष्क, हृदय द्वारा। मन के कुटिल विचार बुद्धि को भी गलत रास्ते पर ले जाते हैं। सुबह घर से निकलने से पहले अपने ही नजरिए पर काम करिए। किसी विषय पर आप सोचते हैं कि ऐसा करें तो एक-दो बार यह भी सोचिए कि ऐसा क्यों ना करें। अलग-अलग नजरिए से देखने पर बुद्धि संतुष्ट होती है। उसे लगता है कि मेरा मालिक मुझे मांज रहा है, विकल्प दे रहा है, बुद्धिमान होने की तैयारी कर रहा है। और जब आप बुद्धि के साथ मन को हटाकर हृदय या मस्तिष्क के प्रभाव में काम करते हैं तो यह बिल्कुल ऐसा होता है जैसे गहराई में उतरना। बुद्धि को जब गहराई में ले जाएं किसी विषय की तो बेचैनी होगी, थकान होगी। लेकिन आंख बंद करके सांस को बुद्धि से जोड़िए। बुद्धि को यदि सांस का समर्थन मिला तो शायद मन का दुष्प्रभाव उस पर नहीं पड़ेगा। इसलिए जब चिंतन कर रहे हों तो गहरी सांस लेते रहें, आप उस समय बुद्धि का सदुपयोग कर जाएंगे।

आतंकी तहव्वुर राणा 26/11 हमले के वक्त मुंबई में था,एनआईए की पूछताछ में कबूला- वह पाक आर्मी एजेंट, हेडली के साथ ट्रेनिंग सेशन किए

नयी दिल्ली। 26/11 आतंकी हमले के वक्त आतंकी तहव्वुर राणा मुंबई में था। यह बात उसने एनआईए की पूछताछ में कबूल की है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, राणा ने माना है कि वह पाकिस्तानी सेना का एजेंट है। उसने बताया कि उसने डेविड कोलमैन हेडली के साथ पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई ट्रेनिंग सेशन किए थे। राणा ने यह भी कहा कि लश्कर असल में एक जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है। पूछताछ में शामिल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच अब राणा को गिरफ्तार करके रिमांड पर लेने की तैयारी में है। अभी राणा एनआईए की न्यायिक हिरासत में है, जिसे दिल्ली की अदालत ने 9 जुलाई तक बढ़ा दिया है। तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था। राणा ने पूछताछ में बताया कि मुंबई में उसने अपनी कंपनी का इमिग्रेशन सेंटर खुद के प्लान से खोला, ताकि हमले की तैयारी के लिए जगह और सुविधाएं मिल सकें। वहां किए गए लेन-देन को बिजनेस खर्चों में दिखाया गया। उसने यह भी स्वीकार किया कि छत्रपति शिवाजी टर्मिनस जैसे स्थानों की खुद जाकर रेकी की थी।रिपोर्ट के अनुसार, राणा ने कहा कि 26/11 का हमला पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी घ्ए्घ के साथ मिलकर किया गया था। उसने यह भी बताया कि उसे खाड़ी युद्ध के समय पाक सेना ने सऊदी अरब भेजा था।पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर रहा, कनाडा का नागरिक है राणा 64 साल का तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। राणा पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के तौर पर काम करता था। इसके बाद वह 1997 में कनाडा चला गया और वहां इमिग्रेशन सर्विसेस देने वाले बिजनेसमैन के तौर पर काम शुरू किया। कनाडा से वह अमेरिका पहुंचा और शिकागो सहित कई लोकेशंस पर फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम से कंसल्टेंसी फर्म खोली। अमेरिकी कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, राणा कई बार कनाडा, पाकिस्तान, जर्मनी और इंग्लैंड भी गया था। वह लगभग 7 भाषाएं बोल सकता है। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड डेविड हेडली का दोस्त है राणा डेविड हेडली मुंबई हमले का मास्टरमाइंड था। तहव्वुर उसका दोस्त था, जिसने इस हमले को अंजाम देने में उसकी मदद की थी। राणा को पता था कि हेडली लश्कर-ए-तैयबा के साथ मिलकर काम कर रहा है। हेडली की मदद करके और उसे आर्थिक मदद पहुंचाकर राणा आतंकी संस्था और उसके साथ आतंकियों को भी सपोर्ट कर रहा था। राणा को जानकारी थी कि हेडली किससे मिल रहा है, क्या बात कर रहा है। उसे हमले की प्लानिंग और कुछ टारगेट्स के नाम भी पता थे। तहव्वुर राणा को 2009 में एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को अमेरिका में लश्कर-ए-तैयबा का समर्थन करने के लिए दोषी ठहराया गया था। अब तक वह लॉस एंजिलिस के एक डिटेंशन सेंटर में बंद था। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने हमले किए। ये हमले चार दिनों तक चले। इन हमलों में कुल 175 लोग मारे गए, जिनमें 9 हमलावर भी शामिल थे और 300 से अधिक लोग घायल हुए।

लालू बोले- 2 गुजराती बिहारियों से वोटिंग राइट्स छीन रहे,तेजस्वी ने कहा- 9 जुलाई को बिहार बंद में ईसी-सरकार के होश ठिकाने लाएंगे; राहुल भी रहेंगे

पटना। बिहार चुनाव से पहले हो रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर सियासत गर्म है। विपक्ष ने 9 जुलाई को बिहार बंद बुलाया है। इसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी शामिल होंगे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने वोटर लिस्ट रिवीजन की प्रक्रिया को 'वोट बंदी' करार दिया है। इसे लेकर उन्होंने आज यानी सोमवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। तेजस्वी ने कहा, '6 जुलाई को इलेक्शन कमीशन से मिलने गए थे, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पटना का इलेक्शन कमीशन कोई काम का नहीं है, पोस्ट ऑफिस जैसा है, निर्णय लेने लायक नहीं है।'इधर पूरे मामले पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने यादव ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को आड़े हाथों लियाहै। लालू ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'दो गुजराती मिलकर 8 करोड़ बिहारियों के वोट का अधिकार छीनने का प्रयास कर रहे हैं।' 'इन दो गुजरातियों को बिहार, संविधान और लोकतंत्र से सख्त नफरत है। जागो और आवाज उठाओ.. लोकतंत्र और संविधान बचाओ।'मुकेश सहनी ने चुनाव आयोग से मतदाता पुनरीक्षण कार्य को रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 'चुनाव आयोग को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। आज मतदाता पुनरीक्षण कार्य के दौरान बिहार के सभी स्कूलों का कार्य ठप है। सभी शिक्षकों को इस कार्य में लगाया गया है।' ?उन्होंने चुनाव आयोग से आग्रह करते हुए कहा कि 'वे सोशल साइटों पर किए जा रहे कमेंट्स को पढ़ें, उसे समझ में आ जाएगा कि बिहार की जनता सोच क्या रही है। बिहार की जनता चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा कर रही है, जिसे आयोग को गंभीरता से समझने की जरूरत है।' ?'चुनाव आयोग मतदाता पुनरीक्षण कार्य को वापस लेना चाहिए। अभी चुनाव आयोग का कहना है कि बिना पेपर के भी अपलोड किया जा सकता है। लेकिन, बीएलओ कार्यों से परेशान है। उन्होंने कहा कि अगर किसी बूथ पर 200 मतदाता का नाम कट जाता है तो इससे स्थिति खराब होगी। बीएलओ के साथ ही लोग मारपीट करने लगेंगे।' 'चुनाव आयोग चुनाव कराना चाहती है या मारपीट कराना चाहती है। बिहार में लोकतंत्र है। जनता मालिक है और जनता के खिलाफ ही षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने सत्ता पक्ष द्वारा इस मामले में सामने नहीं आने पर कहा कि जनता की परेशानियों से उन्हें कोई मतलब नहीं है, यही कारण है कि वे चुप हैं।' 10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई बिहार में हो रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार हो गया है। 10 जुलाई को मामले की सुनवाई होगी। 5 जुलाई को गैर सरकारी संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने सु.को में याचिका दाखिल कर बिहार में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के चुनाव आयोग के आदेश को रद्द करने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग का ये आदेश संविधान के अनुच्छेद

14,19,21,325 और 326 और जनप्रतिनिधित्व कानून 1950, साथी ही उसके रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टोरल रूल 1960 के नियम 21ए का उल्लंघन है।इधर चुनाव आयोग ने साफ कहा है कि वेरिफिकेशन (सत्यापन) का काम आर्टिकल-326 और लोक प्रतिनिधित्व कानून के दायरे में ही किया जा रहा है। इससे किसी वैलिड (वैध) वोटर का नाम नहीं कटेगा, बल्कि विदेशी घुसपैठियों सहित वोटर लिस्ट में गलत तरीके से नाम जुड़वाने वाले बाहर होंगे। अब जानिए, चुनाव आयोग का आदेश क्या है? विपक्ष क्यों कर रहा विरोध? आपका नाम वोटर लिस्ट से कटेगा या नहीं? अगर नाम कटा तो क्या करना होगा? विशेष संशोधन प्रक्रिया क्या हैः वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया को विशेष संशोधन प्रक्रिया कहा जाता है। यह कभी संक्षिप्त तो कभी विस्तृत रूप से कराया जाता है। बिहार में आखिरी बार 2003 में यह सब हुआ था। चुनाव आयोग के निर्देश क्या हैंः 24 जून को चुनाव आयोग ने निर्देश जारी कर कहा है, 'हर वोटर को व्यक्तिगत गणना फॉर्म जमा करना जरूरी है। 1987 के बाद जन्मे और 1 जनवरी 2003 के बाद वोटर लिस्ट में जुड़े लोगों को बर्थ सर्टिफिकेट, पासपोर्ट या किसी एजुकेशनल सर्टिफिकेट के जरिए अपनी नागरिकता का प्रमाण देना होगा।'चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करने के लिए जन्म तिथि और जन्म स्थान का प्रमाण देने के लिए जुलाई 1987 की कट ऑफ डेट तय की है। आयोग ने कहा है, 'राज्य से बाहर रहनेवाले मतदाताओं को भी गणना प्रपत्र भरना अनिवार्य होगा। फॉर्म ईसीआई की वेबसाइट से डाउनलोड कर 26 जुलाई तक भरना होगा। फॉर्म को भरने और साइन करने के बाद डॉक्यूमेंट अपलोड करना होगा। इसके बाद मतदाता सूची में नाम बना रहेगा। फॉर्म नहीं भरने पर मतदाता सूची से नाम हटेगा। बिहार विधानसभा चुनाव से वोटर लिस्ट में विशेष संशोधन प्रक्रिया को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस, आरजेडी और वाम दलों समेत इंडिया गठबंधन ने इसे पक्षपाती और संदिग्ध बताया है।वहीं, चुनाव आयोग ने साफ कहा है कि वेरिफिकेशन (सत्यापन) का काम आर्टिकल-326 और लोक प्रतिनिधित्व कानून के दायरे में ही किया जा रहा है। इससे किसी वैलिड (वैध) वोटर का नाम नहीं कटेगा, बल्कि विदेशी घुसपैठियों सहित वोटर लिस्ट में गलत तरीके से नाम जुड़वाने वाले बाहर होंगे।इस मसले पर बुधवार शाम दिल्ली में कांग्रेस, आरजेडी, लेफ्ट सहित इंडिया गठबंधन की पार्टियों का एक प्रतिनिधि मंडल चुनाव आयोग के पदाधिकारियों से मिला था। 3 घंटे तक चली मुलाकात में सबने अपनी चिंता को जाहिर किया। नेताओं ने इस बात पर आपत्ति जताई कि वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र और माता-पिता की जानकारी मांगी जा रही है, जो गरीब और ग्रामीण लोगों के पास नहीं होती। कांग्रेस ने इसे मतदान अधिकारों की डकैती और एक गैर-सरकारी एनआरसी करार दिया। विपक्ष के 6 बड़े सवालष्ठ 2003 से आज तक करीब 22 साल में बिहार में कम से कम 5 चुनाव हो चुके हैं, तो क्या वे सारे चुनाव गलत थे?अगर आपको एसएआर करना था तो इसकी घोषणा जून के अंत में क्यों की गई? इसका निर्णय कैसे और क्यों लिया गया? अगर मान भी लिया जाए कि एसएआर की जरूरत है तो इसे बिहार चुनाव के बाद आराम से किया जा सकता था। जब 2003 में यह प्रक्रिया अपनाई गई थी, तो उसके एक साल बाद लोकसभा चुनाव था और दो साल बाद विधानसभा का चुनाव था, इस बार केवल एक महीने का ही समय है।पिछले एक दशक से हर काम के लिए आधार कार्ड मांगा जा रहा है, लेकिन अब कहा जा रहा है कि आपको वोटर नहीं माना जाएगा- अगर आपके पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं होगा। एक कैटेगरी में उन लोगों के माता-पिता के जन्म का भी दस्तावेज होना चाहिए, जिनका जन्म समय 1987-2012 के बीच हुआ होगा। ऐसे में प्रदेश में लाखों-करोड़ गरीब लोग हैं, जिन्हें डॉक्यूमेंट जुटाने के लिए महीनों भागदौड़ करनी होगी। ऐसे में कई लोगों का नाम ही लिस्ट में शामिल नहीं होगा, जो साफ तौर पर लेवल प्लेइंग फील्ड का हनन है। लेवल प्लेइंग फील्ड चुनाव का आधार है और चुनाव, गणतंत्र का आधार है। चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया से कम से कम 2 करोड़ वोटर लिस्ट से बाहर हो सकते हैं। इसमें दलित, आदिवासी, प्रवासी मजदूर और गरीब तबके के लोग शामिल हैं। यदि किसी का नाम हटाया गया तो चुनाव घोषित होने के बाद उसे अदालत में चुनौती देना भी संभव नहीं होगा, क्योंकि उस दौरान कोर्ट चुनाव संबंधी मामलों की सुनवाई से परहेज करती हैं। आने वाले समय में उत्तर बिहार के लोग बाढ़ से प्रभावित होंगे। ऐसे में बाढ़ से घिरे लोग कैसे डॉक्यूमेंट की व्यवस्था करेंगे और प्रक्रिया में शामिल कैसे हो पाएंगे?बहुत सारे लोग बिहार से बाहर काम करते हैं। चुनाव आयोग की टीम जब उनके घर जाएगी तो लोग नहीं मिलेंगे। इस तरह करीब 20फीसदी वोटरों को लिस्ट से बाहर किया जा सकता है।1. डेढ़ लाख एजेंट जुटे हैं, किसी का नाम नहीं कटेगा बिहार में फिलहाल करीब 7 करोड़ 89 लाख वोटर हैं। इसमें से करीब 4 करोड़ 96 लाख वोटर 2003 के वोटर लिस्ट में भी शामिल थे। उनका वेरिफिकेशन नहीं होगा। यानी बाकी बचे 2 करोड़ 93 करोड़ वोटरों का ही वेरिफिकेशन किया जाएगा। इसके लिए राजनीतिक दलों के करीब डेढ़ लाख बूथ लेवल एजेंट इस मुहिम में जुटे हैं। इसमें सभी दलों के लोग शामिल हैं। ऐसे में किसी वैध वोटर के नाम कटने की गुंजाइश कम है। अभी भी सभी राजनीतिक दल ज्यादा से ज्यादा बीएलए बनाकर लिस्ट को पारदर्शी बना सकते हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि पिछली बार यानी 2003 में 31 दिन में ही एसएआर हुआ था। इस बार भी कमोबेश एक महीने का टाइम है। अभी करीब डेढ़ लाख बीएलए काम पर जुटे हैं। एक बीएलए एक दिन में अधिक से अधिक 50 आवेदन बूथ लेवल आफिसर के पास जमा कर सकता है। इस तरह एक दिन 75 लाख से अधिक आवेदन बीएलओ के पास जमा हो सकता है। अगर इसी रफ्तार से काम हुआ तो टोटल वोटर यानी 7 करोड़ 89 लाख लोगों का आवेदन जुटाने में 11 दिन लगेगा, जबकि वेरिफिकेशन के लिए करीब महीनेभर का समय है। पुनरीक्षण का काम 27 जून से शुरू है। कितने कर्मचारी काम पर जुटे हैं इस काम में 2,25,590 कर्मचारी और स्वयंसेवक लगाए गए हैं। इनमें से 81,753 प्रशासनिक कर्मचारी और 1,43,837 स्वयंसेवक शामिल हैं। 98,498 मतदान केंद्रों पर बीएलओ के नेतृत्व में काम चल रहा है।

तेलंगाना फैक्ट्री धमाका-मरने वालों का आंकड़ा 42 हुआ, 8 लापता,घटनास्थल से हड्डियां, शरीर के जले अंग मिले; 6 दिन बाद भी सर्च ऑपरेशन जारी

हैदराबाद। तेलंगाना की फॉर्मा फैक्ट्री धमाके में मरने वालों का आंकड़ा 42 हो गया है। रविवार को एक व्यक्ति की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि एक शव की पहचान डीएनए जांच से हुई है। 8 लोगों लापता हैं। हादसे से 6 दिन बाद भी सर्च ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि शनिवार और रविवार को घटनास्थल से कुछ हड्डियां और शरीर के जले अंग मिले हैं। इनका डीएनए टेस्ट चल रहा है। यदि इनका मिलान होता है तो लापता लोगों की संख्या घट सकती है। हादसा 30 जून को पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था। घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे। उस दिन रेस्क्यू और मेडिकल टीम ने 31 शव बरामद किए थे। मृतकों के परिजन को 1 करोड़ 2 लाख रुपए का मुआवजा मिलेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को रु2 लाख और घायलों को रु50 हजार की मदद की घोषणा की थी। वहीं, कंपनी ने मृतकों के परिजन को 1 करोड़ रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 10 लाख रुपए और अन्य घायलों को 5 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की थी।एक मजदूर ने बताया कि वह 30 जून की सुबह 7 बजे नाइट शिफ्ट पूरी करके बाहर निकला था। सुबह की शिफ्ट का स्टाफ अंदर आ चुका था। धमाका करीब 8 बजे हुआ। शिफ्ट शुरू होने पर मोबाइल जमा हो जाता है, इस वजह अंदर काम कर रहे लोगों की कोई खबर नहीं मिल पाई।एक मजदूर के परिवार की महिला ने बताया कि उनके परिवार के चार लोग फैक्ट्री में काम करते हैं। इनमें उनका बेटा, दामाद, जेठ और देवर शामिल हैं। इनमें से तीन सुबह की शिफ्ट में थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि वहां काम कर रहे मजदूर करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरे। विस्फोट की वजह से रिएक्टर यूनिट तबाह हो गई है। कंपनी के एक कर्मचारी ने बताया कि अधिकतर मजदूर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। एक शिफ्ट में 60 से ज्यादा मजदूर और 40 अन्य लोगों का स्टाफ काम करता है।

मराठी भाषा विवाद,मंत्री शेलार बोले-हिंदुओं को पीटना पहलगाम हमले जैसा,कुछ नेता इसका आनंद ले रहे,अठावले की मांग- एमएनएस कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई हो

मुंबई। मुंबई में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मराठी बोलने को लेकर विवाद बड़ा सियासी मुद्दा बनता जा रहा है। हिंदीभाषी लोगों के खिलाफ हिंसा के बीच महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार ने पहलगाम आतंकी हमले और मुंबई में 'हिंदुओं' की पिटाई को एकसमान बताया है।शेलार ने उद्धव-राज ठाकरे का नाम न लेते हुए रविवार को कहा कि राज्य देख रहा है कि कैसे कुछ नेता 'अन्य हिंदुओं की पिटाई का आनंद ले रहे हैं।' उनकी यह टिप्पणी उस घटना के बाद आई है, जिसमें एमएनएस कार्यकर्ताओं ने मुंबई में मिठाई की दुकान के मालिक की मराठी न बोलने पर पिटाई कर दी थी। इसके अलावा शनिवार को मनसे कार्यकर्ताओं ने शेयर बाजार निवेशक सुशील केडिया के वर्ली स्थित दफ्तर के कांच के दरवाजे तोड़ दिए थे। केडिया ने राज ठाकरे को चुनौती देते हुए कहा था कि वे मराठी नहीं बोलेंगे। इधर, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे की हालिया टिप्पणियों की आलोचना की है और उन्हें 'दादागिरी' को बढ़ावा देने वाला बताया और एमएनएस कार्यकर्ताओं पर सख्त कार्रवाई की मांग कीकेंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि लोगों को मराठी बोलने के लिए मजबूर करना गलत है। हिंसा में शामिल मनसे कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अठावले ने राज के रुख पर पूछा कि ऐसी घटनाओं के कारण उद्योग बंद हो जाते हैं तो क्या वे सभी को रोजगार देंगे।5 जुलाई को मशहूर इन्वेस्टर सुशील केडिया के वर्ली स्थित ऑफिस में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की और एमएनएस चीफ राज ठाकरे के समर्थन में नारे लगाए थे।पुलिस ने इस मामले में 5 लोगों को हिरासत में लिया है। ये हमला उद्धव और राज ठाकरे की संयुक्त रैली के कुछ घंटे पहले किया गया। ये हमला केडिया के 3 जुलाई की उनकी एक्स पोस्ट के बाद हुआ। उन्होंने मनसे चीफ राज ठाकरे को टैग करते हुए लिखा था- 'मुंबई में 30 साल रहने के बाद भी मैं मराठी ठीक से नहीं जानता और आपके घोर दुर्व्यवहार के कारण मैंने यह संकल्प लिया है कि जब तक आप जैसे लोगों को मराठी मानुष की देखभाल करने का दिखावा करने की परमिशन नहीं दी जाती, मैं प्रतिज्ञा लेता हूं कि मैं मराठी नहीं सीखूंगा। क्या करना है बोल?' मुंबई के मीरा रोड इलाके का एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो 30 जून का था। इसमें एमएनएस कार्यकर्ताओं की गुजराती दुकानदार से मराठी न बोलने पर बहस हुई थी। कार्यकर्ता ने उससे कहा था कि तुमने मुझसे पूछा कि मराठी क्यों बोलनी चाहिए? जब तुम्हें परेशानी थी, तब तुम एमएनएस ऑफिस आए थे।' दुकानदार ने जवाब में कहा था कि उसे नहीं पता था कि मराठी बोलना अब जरूरी हो गया है। इस पर एक कार्यकर्ता गाली देते हुए दुकानदार को धमकाता है कि उसे इस इलाके में कारोबार नहीं करने दिया जाएगा। बहस के दौरान दुकानदार से मारपीट की गई थी।

ओवैसी बोले- भारतीय मुस्लिम बंधक, नागरिक नहीं:रिजिजू ने कहा- अल्पसंख्यकों को ज्यादा सुविधाएं,एआईएमआईएम चीफ का जवाब- मौलिक अधिकार है, खैरात नहीं

नयी दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी के बीच सोशल मीडिया पर अल्पसंख्यकों को लेकर बहस छिड़ गई। रिजिजू ने एक्स पर लिखा- भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों से ज्यादा सुविधाएं और सुरक्षा मिलती है। इसके जवाब में ओवैसी ने लिखा- आप (रिजिजू) भारत गणराज्य के मंत्री हैं, कोई सम्राट नहीं। किसी सिंहासन पर नहीं, संविधान के तहत पद पर बैठे हैं। अल्पसंख्यकों के अधिकार खैरात नहीं, मौलिक अधिकार हैं। ओवैसी ने आगे कहा- भारत के अल्पसंख्यक अब दूसरे दर्जे के नागरिक भी नहीं हैं। हम बंधक हैं। हर दिन हमें पाकिस्तानी, बांग्लादेशी, जिहादी या रोहिंग्या कहकर बुलाया जाना क्या कोई सुविधा है। अगवा कर बांग्लादेश में फेंक दिया जाना क्या संरक्षण है। इसके बाद रिजिजू ने लिखा- ठीक है, फिर हमारे पड़ोसी देशों से अल्पसंख्यक भारत आना क्यों पसंद करते हैं और हमारे अल्पसंख्यक पलायन क्यों नहीं करते। पीएम मोदी की योजनाएं सभी के लिए हैं। अल्पसंख्यक मामलों की योजनाएं ज्यादा लाभ देते हैं।ओवैसी की पोस्ट की 4 बड़ी बातें- वक्फ में गैर-मुस्लिमों की नियुक्तिः क्या मुस्लिम किसी हिंदू ट्रस्ट (हिंदू एंडोमेंट बोर्ड) में शामिल हो सकते हैं? नहीं। फिर वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को क्यों शामिल किया गया? उन्हें बहुमत तक दे दिया गया। मुस्लिम छात्रवृत्तियों को रोकाः आपने मौलाना आजाद नेशनल फैलोशिप और प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप फंडिंग बंद की। पोस्ट-मैट्रिक और मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप को सीमित कर दिया। क्योंकि इनसे मुस्लिम छात्रों को मदद मिल रही थी। संवैधानिक अधिकारों की मांगः हम किसी और देश के अल्पसंख्यकों से तुलना नहीं मांग रहे। बहुसंख्यकों से ज्यादा कुछ नहीं मांग रहे। हम बस वही मांग रहे हैं जो संविधान ने हमें वादा किया है- सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय। मुस्लिम युवाओं की प्रगति रुकीः भारतीय मुस्लिम अब वह इकलौता समुदाय हैं जिनके बच्चों की हालत उनके माता-पिता या दादा-दादी से भी खराब हो गई है। पीढ़ियों के बीच तरक्की की रफ्तार उलटी हो गई है। भारत की तुलना पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका जैसे फेल स्टेट्स से न करें।वक्फ संशोधन बिल 2024 लोकसभा में 12 घंटे की चर्चा के बाद 3 अप्रैल को पास हुआ था। 288 सांसदों ने पक्ष में, 232 ने विपक्ष में वोट डाला। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे पेश किया था। किरेन रिजिजू ने इसे उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, इफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) नाम दिया।चर्चा के दौरान एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा था- इस बिल का मकसद मुसलमानों को जलील करना है। मैं गांधी की तरह वक्फ बिल को फाड़ता हूं। बिल फाड़ने के बाद ओवैसी संसद की कार्यवाही छोड़कर चले गए।

नीतू कपूर 67की हुई,जब ससुर राज कपूर को लगाई फटकार-ऋषि कपूर से अफेयर के चलते पड़ी मार,पति के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर से नहीं थी दिक्कत

नयी दिल्ली। बॉलीवुड की 'बेबी सोनिया' यानी नीतू कपूर आज अपना 67वां जन्मदिन मना रही हैं। महज 6 साल की उम्र में नीतू ने फिल्म सूरज से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट बॉलीवुड में कदम रखा था।

1973 में वे बतौर लीड एक्ट्रेस फिल्म रिक्शावाला में नजर आईं। यह फिल्म भले ही सफल न हुई, लेकिन नीतू की खूबसूरती ने सबका ध्यान खींचा और उन्हें लगातार फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। साल 1974 में फिल्म जहरीला इंसान में नीतू पहली बार ऋषि कपूर के साथ नजर आईं। यह जोड़ी पर्दे पर ही नहीं, असल जिंदगी में भी हिट रही और दोनों ने शादी कर ली। परिवार के लिए नीतू ने अपना फिल्मी करियर छोड़ दिया। हालांकि 26 साल बाद 2009 में उन्हें फिल्मों में वापसी का मौका मिला। 2020 में ऋषि कपूर के निधन के बाद नीतू अकेली रह गईं, लेकिन उन्होंने खुद को टूटने नहीं दिया और अपनी नई पहचान बनाते हुए फिल्मों पर फोकस किया।नीतू कपूर भले ही आज आलीशान जिंदगी जीती हैं, लेकिन उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में उनकी मां राजी कौर का अहम योगदान रहा। जनसत्ता की रिपोर्ट के मुताबिक, राजी कौर का जन्म लखनऊ के एक कोठे में हुआ था। दरअसल, जब नीतू की नानी हरजीत सिर्फ 10 साल की थीं, तभी उनके माता-पिता का निधन हो गया। ऐसे समय में जब उन्हें परिवार की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब उनके ही रिश्तेदारों ने उन्हें अपनाने के बजाय एक कोठे पर छोड़ दिया। उन्होंने उस माहौल से बाहर निकलने की कई कोशिशें कीं, लेकिन हालात के आगे बेबस होकर अंत में उस जिंदगी को अपना लिया। बाद में उन्होंने कोठे के दलाल फतेह सिंह से शादी कर ली, जिससे उन्हें एक बेटी हुई राजी कौर। जैसे-जैसे राजी बड़ी हुईं, उन्हें भी उसी माहौल में धकेलने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने उस जिंदगी को अपनाने से इनकार कर दिया। राजी के मन में हमेशा कुछ बड़ा करने की चाह थी। उन्होंने फिल्मों में काम करने की इच्छा जताई, तो उन्हें बुरी तरह मारा गया।फिर भी, उन्होंने हार नहीं मानी। 22 साल की उम्र में जैसे ही उन्हें मौका मिला, वह कोठे से भाग निकलीं और एक मिल में काम करने लगीं। वहीं उनकी मुलाकात दर्शन सिंह से हुई और दोनों ने शादी कर ली और कुछ समय बाद एक बेटी का जन्म हुआ, जिसका नाम हरनीत रखा गया, जिसे आज दुनिया नीतू कपूर के नाम से जानती है।नीतू कपूर के जन्म के बाद उनका परिवार मुंबई शिफ्ट हो गया था, लेकिन जब नीतू महज 5 साल की थीं, तभी उनके पिता का निधन हो गया। इस हादसे के बाद परिवार की माली हालत धीरे-धीरे बिगड़ने लगी। घर में इतने बुरे हालात हो गए कि दो वक्त की रोटी खाना मुश्किल हो गया। ऐसे में राजी कौर ने फिल्मों में काम पाने की कोशिश की। उन्हें उम्मीद थी कि शायद उन्हें कोई रोल मिल जाए, लेकिन उन्हें बार-बार रिजेक्शन ही मिले। तब उन्हें एहसास हुआ कि अब उनके लिए बहुत देर हो चुकी है। मगर उन्होंने हार नहीं मानी और अपने अधूरे सपने को अपनी बेटी नीतू के जरिए पूरा करने का फैसला किया। राजी ने नन्ही नीतू का हाथ थामा और फिल्म स्टूडियोज के चक्कर लगाने लगीं। शुरुआत में फिर वही रिजेक्शन मिला, पर उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी। एक दिन उनकी मेहनत रंग लाई और नीतू को 6 साल की उम्र में फिल्म 'सूरज' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट पहला ब्रेक मिला। इसी फिल्म से नीतू को इंडस्ट्री में नया नाम मिला 'बेबी सोनिया'। 'सूरज' में उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया गया और इसके बाद उन्हें 'दस लाख', 'दो कलियां' जैसी फिल्मों में काम मिल गया। खासकर 'दो कलियां' में नीतू की एक्टिंग ने सबका दिल जीत लिया। इस फिल्म में उन्होंने डबल रोल निभाया था और फिल्म का गाना 'बच्चे मन के सच्चे', जिसमें नीतू नजर आई थीं, वह बेहद पॉपुलर हुआ।बेटी नीतू को बड़ी हीरोइन बनाने का सपना लेकर 1973 में राजी फिर मुंबई लौट आईं। उस समय नीतू करीब 14-15 साल की हो चुकी थीं। नीतू को रणधीर कपूर के साथ फिल्म 'रिक्शावाला' में काम करने का मौका मिला। हालांकि फिल्म कुछ खास नहीं चली, लेकिन नीतू की खूबसूरती और स्क्रीन प्रेजेंस ने फिल्ममेकर्स का ध्यान जरूर खींचा। इसके बाद उन्हें एक के बाद एक फिल्में ऑफर होने लगीं। उस समय नीतू के फिल्मी करियर से जुड़ा हर फैसला उनकी मां ही लेती थीं। नीतू वही फिल्म साइन करतीं, जिसे राजी की मंजूरी मिलती। उसी साल नीतू को फिल्म 'यादों की बारात' में काम करने का मौका मिला। ये फिल्म सुपरहिट हुई और फिर क्या था नीतू को हिंदी सिनेमा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर पहचान मिल गई।नीतू को साल 1974 में फिल्म जहरीला इंसान ऑफर हुई थी। इस फिल्म में पहली बार ऋषि कपूर के साथ उनकी जोड़ी बनी। वैसे तो नीतू ने कई स्टार्स के साथ काम किया, लेकिन उनकी जोड़ी सबसे ज्यादा ऋषि के साथ ही पसंद की गई। सेट पर ऋषि नीतू को काफी तंग किया करते थे, जिससे वह काफी चिढ़ भी जाती थीं। हालांकि बाद में धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती हो गई। ऋषि की गर्लफ्रेंड्स के लिए लिखती थीं खत - ऋषि कपूर और नीतू कपूर की बॉन्डिंग इतनी मजबूत हो गई थी कि नीतू दूसरी लड़कियों को इम्प्रेस करने के लिए एक्टर की मदद करने लग गईं। नीतू, ऋषि की तरफ से उनकी गर्लफ्रेंड्स के लिए लव लेटर भी लिखा करती थीं। हालांकि फिर समय के साथ यही दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों ने 12 से भी ज्यादा फिल्मों में एक साथ काम किया। हर फिल्म में उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया। ऋषि कपूर ने अपनी बायोग्राफी खुल्लम खुल्ला में नीतू से पहली मुलाकात का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, 'मेरी कायदे से नीतू से पहली मुलाकात फिल्म 'बॉबी' के सेट पर हुई थी। अमर अकबर एंथनी की शूटिंग के दौरान हमारा प्यार परवान चढ़ा। उस दौर में डेटिंग हाथ पकड़ने, पार्टी में जाने या फिर स्लो डांस करने तक ही सीमित थी।जब तक नीतू के साथ मेरी शादी नहीं हो गई तब तक मेरे पेरेंट्स के पास मेरे लिए कई रिश्ते आते थे। पेरेंट्स को मैंने कभी खुलकर नहीं कहा कि मैं किसी को डेट कर रहा हूं, लेकिन वो जानते थे कि नीतू मेरी जिंदगी में हैं। इसी वजह से जब भी मेरे लिए रिश्ता आता था तो वो ये कहकर मना कर देते थे कि मैं किसी को डेट कर रहा हूं।'नीतू-ऋषि के रिश्ते के खिलाफ थीं मां राजी- नीतू कपूर की ऋषि कपूर के साथ लव स्टोरी उस समय शुरू हुई जब नीतू धीरे-धीरे अपने करियर के पीक पर पहुंच रही थीं। उस वक्त उनकी उम्र भी काफी कम थी। इसी वजह से उन्हें कई बार अपनी मां की डांट और

मार का सामना करना पड़ा। एक इंटरव्यू में नीतू कपूर ने इस बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि उनकी मां को फिल्म इंडस्ट्री के एक्टर्स बिल्कुल पसंद नहीं थे। जब उन्हें नीतू और ऋषि कपूर के रिश्ते के बारे में पता चला, तो वह बहुत नाराज हुईं और उनकी पिटाई भी की। हालांकि बाद में जब उनका रिश्ता आगे बढ़ा, तो नीतू की मां ने उस पर पूरा कंट्रोल रखा। डेट पर जाने से लेकर हर छोटी-बड़ी जानकारी वह मां को देती थीं। करियर के पीक में की शादी, छोड़ी फिल्म इंडस्ट्री- नीतू का कपूर परिवार में आना-जाना शुरू हो चुका था। वह ऋषि कपूर से शादी को लेकर सीरियस थीं और यह बात ऋषि के साथ ही पूरा कपूर खानदान जानता था। एक दनि राज कपूर ने ऋषि कपूर से स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर वह नीतू से प्यार करते हैं, तो उन्हें उससे शादी कर लेनी चाहिए। इसके बाद दोनों ने 22 जनवरी 1980 को शादी कर ली। शादी के समय नीतू का फिल्मी करियर अपने शिखर पर था। इसके बावजूद उन्होंने इंडस्ट्री से दूरी बना ली, क्योंकि उस समय कपूर परिवार की परंपरा थी कि उनकी बहुएं और बेटियां फिल्मों में काम नहीं करती थीं। नीतू ने इस परंपरा का सम्मान करते हुए फिल्में छोड़ दीं। ऋषि कपूर ने इस बारे में अपनी बायोपिक 'खुल्लम खुल्ला' में लिखा था, नीतू ने जब तय किया कि वह शादी के बाद फिल्मों में काम नहीं करेंगी, तो उन्होंने प्रोड्यूसर्स को यह बात स्पष्ट रूप से बता दी थी। शादी से पहले उन्होंने अपने सभी असाइनमेंट्स पूरे कर लिए थे। वह तीन-तीन शिफ्ट में शूटिंग करती थीं और थोड़े-बहुत बचे समय में शादी की तैयारियां भी करती थीं। जब नीतू ने 21 साल की उम्र में शादी के बाद फिल्मों से दूरी बना ली थी, तब वह इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक थीं। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते थे कि नीतू शादी के बाद फिल्मों में काम करें, क्योंकि उनका मेल ईगो आड़े आ जाता था। वह चाहते थे कि उनकी पत्नी शादी के बाद घर पर रहे और काम पर न जाए।ससुर राज कपूर को लगाई थी फटकार नीतू कपूर ने ननद ऋतु नंदा की किताब 'राज कपूरः द वन एंड ओनली शोमैन' में एक किस्से का जिक्र किया है, जब उन्होंने गलती से राज कपूर को फोन पर फटकार लगा दी थी, जिसके लिए उन्हें बाद में काफी पछतावा हुआ। नीतू ने बताया, 'एक दिन ऋषि कपूर बहुत ज्यादा नशे में घर लौटे थे। मैं उन्हें फोन किया और गुस्से में चिल्लाई, लेकिन दूसरी तरफ से गुस्से में आवाज आई, 'तुम्हें पिता और बेटे की आवाज में फर्क नहीं समझ आता?' यह सुनकर मैं बहुत हैरान रह गई। दोनों की आवाजें इतनी मिलती-जुलती थीं कि मैं समझ ही नहीं पाई कि मैंने राज कपूर जी को डांट दिया था। उस पल मुझे बेहद शर्मिंदगी हुई।'नीतू कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें ऋषि कपूर के सभी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के बारे में पता था। कई बार उन्होंने ऋषि को दूसरी महिलाओं के साथ फ्लर्ट करते हुए भी पकड़ा था। इन आदतों के कारण उन्होंने ऋषि से कई सालों तक झगड़ा किया। लेकिन बाद में उन्हें समझ आ गया कि ऋषि के लिए सबसे पहले उनकी फैमिली आती है। इसलिए उन्होंने उनके अफेयर को लेकर ज्यादा सोचना बंद कर दिया, क्योंकि उन्हें पता था कि ये केवल वन नाइट स्टैंड्स होते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि ऋषि उन पर बहुत ज्यादा डिपेंड थे, इसलिए उन्हें भरोसा था कि वे उन्हें कभी नहीं छोड़ेंगे।नीतू की आखिरी फिल्म 'गंगा मेरी मां' 1983 में रिलीज हुई थी। इसके बाद उन्होंने 26 साल बाद 2009 में फिल्मों में कमबैक किया। अपनी दूसरी पारी में 'दो दूनी चार' (2010), 'जब तक है जान' (2012) और 'बेशरम' (2013) जैसी फिल्मों में नजर आईं। नीतू कपूर ने अपनी जिंदगी में एक अच्छी पत्नी, बहू और मां की भूमिका बखूबी निभाई है। साल 2022 में उनके बेटे रणबीर कपूर ने आलिया भट्ट से शादी की थी। उसी साल नीतू कपूर दादी भी बनी थीं।

आमिर खान ने बैडमिंटन खिलाडी की बेटी का किया नामकरण।ज्वाला गुट्टा की बेबी गर्ल को दिया 'मीरा' नाम; सोशल मीडिया पर वायरल हुईं तस्वीरें

नयी दिल्ली। हाल ही में एक्टर प्रोड्यूसर विष्णु विशाल और

बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा ने अपनी बेटी के लिए नामकरण समारोह का आयोजन किया। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान भी इस फंक्शन का हिस्सा बने। इसके लिए एक्टर हैदराबाद पहुंचे थे। आमिर न सिर्फ समारोह में शामिल हुए बल्कि उन्होंने कपल की बेटी का नामकरण भी किया। मिस्टर परफेक्शनिस्ट ने कपल की बेटी का नाम 'मीरा' रखा है।

ज्वाला और उनके एक्टर पति ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस खास मौके की तस्वीर साझा की है। साथ ही आमिर के लिए शुक्रिया नोट भी लिखा है। विशाल लिखते हैं- 'हमारी मीरा से परिचय...हमारी बच्ची का नाम रखने के लिए हैदराबाद तक आने के लिए आमिर खान सर को बहुत-बहुत बधाई। मीरा अनकंडीशनल लव और पीस को रिप्रेजेंट करती है। आमिर सर के साथ इस मुकाम तक का सफर जादुई रहा है। हमारी बेटी को इतना सुंदर नाम देने के लिए आमिर सर आपका धन्यवाद।'वहीं, इस खास मौके की तस्वीर शेयर करते हुए ज्वाला लिखती हैं- 'हमारी 'मीरा'! इससे ज्यादा कुछ नहीं मांगा जा सकता। आमिर, आपके बिना यह सफर असंभव होता। हम आपसे प्यार करते हैं। सुंदर और मीनिंगफुल नाम के लिए धन्यवाद।' बता दें कि विष्णु विशाल और ज्वाला गुट्टा ने कुछ साल डेट करने के बाद साल 2021 में शादी कर ली थी। पांचवीं मैरिज एनिवर्सरी पर दोनों बेटी का स्वागत किया। वहीं, आमिर और विष्णु अच्छे दोस्त हैं।आमिर और विष्णु विशाल की दोस्ती साल 2023 से चली आ रही है, जब वे दोनों चक्रवात प्रभावित तमिलनाडु में फंसे हुए थे। बाद में, उन्हें फायर और रेस्क्यू टीम करापक्कम में बचाया था।उस समय, विष्णु विशाल ने अपने एक्स अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें वो अजित और आमिर खान नजर आ रहे थे। विष्णु ने एक्स पर लिखा, 'एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हमारी स्थिति जानने के बाद, हमेशा मददगार रहने वाले अजित सर हमसे मिलने आए और हमारे विला समुदाय के मेंबर्स की यात्रा व्यवस्था में मदद की... अजित सर, आपसे प्यार करता हूं!'

चंडीगढ़ कोर्ट से प्रीति जिंटा को राहतःपंजाब किंग्स की मीटिंग्स में पार्टनर नहीं ले सकेंगे अंतिम फैसला, अगली सुनवाई 7 अगस्त को

चंडीगढ़। फिल्म अभिनेत्री और पंजाब किंग्स टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा को कोर्ट ने साफ किया कि अभी सीधे कोई रोक (स्टे) नहीं लगाई जा सकती क्योंकि सभी

चंडीगढ़ की अदालत से अस्थायी राहत मिली है। उन्होंने अपनी ही कंपनी केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड के दो साथी डायरेक्टर मोहित बर्मन और नेस वाडिया के खिलाफ शिकायत की थी।

प्रीति का कहना है कि 21 अप्रैल को जो मीटिंग हुई, वो कंपनी के नियमों के खिलाफ थी, इसलिए उसे रद्द किया जाना चाहिए। हालांकि, 31 मई को ट्रायल कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद प्रीति ने ऊपरी अदालत में अपील की और मांग की कि जब तक अपील चल रही है, तब तक कंपनी की कोई नई मीटिंग या फैसला ना हो। कोर्ट ने फिलहाल कहा है कि कंपनी की मीटिंग में लिए गए सभी फैसले प्रीति की अपील और केस के अंतिम फैसले पर निर्भर रहेंगे। यानी, जब तक केस का पूरा फैसला नहीं हो जाता, कोई भी फैसला पक्का नहीं माना जाएगा। अब अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। तब तक कोर्ट ने सभी पक्षों से कहा है कि वे अपने दस्तावेज और जवाब दाखिल करें।नेस वाडिया के वकील का कहना है कि जब ट्रायल कोर्ट ने केस पहले ही खारिज कर दिया है, तो दोबारा कोई रोक नहीं लग सकती।कोर्ट ने क्या कहा- पक्षों के जवाब और जरूरी दस्तावेज कोर्ट में नहीं आए हैं। लेकिन कोर्ट ने यह भी कहा कि 7 जुलाई की मीटिंग और उसके बाद लिए गए फैसले अभी मान्य नहीं माने जाएंगे और इन पर कोर्ट के अंतिम फैसले का असर होगा। निचली अदालत ने याचिका की थी खारिज दरअसल, प्रीति जिंटा ने कुछ दिन पहले निचली अदालत में याचिका दायर कर 21 अप्रैल 2025 को केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड की हुई एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग को अमान्य घोषित करने की मांग की थी। उनका आरोप था कि यह बैठक कंपनी अधिनियम और नियमों का उल्लंघन कर बुलाई गई थी। साथ ही उन्होंने तत्काल स्टे की अपील भी की थी। हालांकि, निचली अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद जिंटा ने इस आदेश को चैलेंज करते हुए एडीजी कोर्ट में अपील की। मोहित बर्मन और नेस वाडिया पर लगाए आरोप अपनी याचिका में जिंटा ने सह-निदेशक मोहित बर्मन और नेस वाडिया पर आरोप लगाया कि उन्होंने नियमों को ताक पर रखकर यह बैठक बुलाई और उसे संचालित किया। उन्होंने अदालत से कहा कि यदि अपील पर फैसला नहीं लिया गया तो इसका उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।

तुलसी बनकर लौटीं स्मृति ईरानी-क्योंकि के सेट से लीक हुआ पहला लुक, बोलीं- इस शो ने मुझे सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि बहुत कुछ दिया है

नयी दिल्ली। 25 सालों के बाद, भारत का आईकॉनिक डेली सोप 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' अपने ओरिजनल कास्ट के साथ लौट रहा है। पॉलिटिशियन-एक्ट्रेस स्मृति ईरानी लंबे गैप के बाद तुलसी

विरानी की किरदार से एक्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं। शो से स्मृति का पहला लुक लीक हो गया है। हालांकि, अब तक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' की रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन शो का पहला प्रोमो आज रात 10 बजे रिलीज होने वाला है। वायरल फोटो में स्मृति मैरून रंग की साड़ी पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने लुक को सिग्नेचर बड़ी लाल बिंदी, ट्रेडिशनल जूलरी, काले मोतियों वाला मंगलसूत्र और बालों को बन में बांधकर पूरा किया है। ये लुक उनके पूरा लुक से मिलता-जुलता ही है।अपने आईकॉनिक रोल को दोबारा निभाने के बारे में स्मृति ने एक प्रेस नोट में कहा, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी में वापसी करना सिर्फ एक भूमिका में वापस जाना नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी की ओर वापसी है, जिसने भारतीय टेलीविजन को फिर से परिभाषित किया। मेरे अपने जीवन को नया रूप दिया। इसने मुझे कमर्शियल सक्सेस से भी अधिक दिया। इसने मुझे लाखों घरों से जुड़ने का मौका दिया, एक पीढ़ी के भावनात्मक ताने-बाने में जगह दी। पिछले 25 सालों में, मैं दो पावरफुल प्लेटफॉर्म- मीडिया और पब्लिक पॉलिसी पर काम कर चुकी हूं, जिनमें हर एक का अपना प्रभाव है। हर फील्ड अलग तरह की कमिटमेंट की मांग करता है।' उन्होंने आगे कहा- 'आज, मैं एक ऐसे चौराहे पर खड़ी हूं, जहां एक्सपीरियंस इमोशन से और क्रिएटिविटी विश्वास से मिलती है। मैं न केवल एक एक्टर के रूप में वापस आ रही हूं, बल्कि एक ऐसे इंसान के रूप में भी जो बदलाव लाने, संस्कृति को संरक्षित करने और सहानुभूति पैदा करने के लिए कहानी कहने की शक्ति में यकीन करता है। इस अगले अध्याय में योगदान देकर, मैं क्योंकि की विरासत का सम्मान करने और एक ऐसे भविष्य को आकार देने में मदद करने की आशा करती हूं, जहां भारत के क्रिएटिव इंडस्ट्री को न केवल सम्मानित किया जाएगा, बल्कि उन्हें सही मायने में सशक्त भी बनाया जाएगा।' तुलसी के रूप में स्मृति का लुक सामने आने के बाद फैंस इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक्स पर एक यूजर ने लिखा, 'तुलसी वापस आ गई है! स्मृति ईरानी की स्क्रीन पर वापसी निश्चित रूप से पुरानी यादें ताज़ा कर देगी और उनकी लोकप्रियता को आसमान छू लेगी। क्योंकि सास भी कभी बहू थी से लेकर संसद तक का सफर है!' एक अन्य यूजर ने लिखा-, 'आईकॉनिकष्ठतुलसी की भूमिका में उन्हें दोबारा देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।'बता दें कि स्मृति 15 साल बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। एक्टिंग छोड़कर राजनीति में आने के बाद वो महिला एवं बाल विकास मंत्री भी रह चुकी हैं। हाल ही में, वी द वूमन इन लंदन के एक एपिसोड में बरखा दत्त और करण जौहर के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने खुलासा किया कि सीक्वल की योजना 10 साल पहले बनाई गई थी। साल 2000 में बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले बना एकता कपूर का यह शो दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रहा। यह शो आठ साल तक चला और ज्यादातर समय टीआरपी चार्ट पर छाए रहा। हाल ही में, इस शो ने 25 साल पूरे किए। सिल्वर जुबली के मौके पर, स्मृति ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर बताया था कि कैसे इस शो ने लोगों के जीवन को प्रभावित किया।

'निर्दयी लोग लाइक्स के लिए झूठी खबर फैला रहे हैं':शेफाली जरीवाला के निधन के बाद डॉग सिंबा की तबीयत बिगड़ने का दावा करने वालों पर भड़के पराग

नयी दिल्ली। शेफाली जरीवाला अपने डॉग सिंबा को बेटे की तरह ट्रीट करती थीं। यही वजह है कि उनके निधन के पति पराग त्यागी बेटे द्वारा किए जाने वाले रिचुअल्स को सिंबा के हाथों से करवा रहे हैं। पराग ने शेफाली के निधन के बाद सिंबा की तबीयत बिगड़ने की खबरों को अफवाह बताते हुए झूठ खबर फैलाने वालों को फटकार लगाई है।पराग त्यागी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से सिंबा के साथ एक वीडियो शेयर की है, जिसमें वो सड़क किनारे कुछ गरीबों को पैसे और खाना बांटते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि पराग सिंबा को थामे हुए हैं और एक महिला उन्हें आशीर्वाद दे रही है।ये वीडियो शेयर कर पराग ने लिखा है, 'सिंबा बहुत खुश है और दिल से एक बेटे द्वारा मां के लिए किए जाने वाले रिचुअल्स कर रहा है। ये वीडियो उन बेहतरीन लोगों के लिए है, जो वाकई हमारे बेबी सिंबा कि हेल्थ के लिए फिक्रमंद हैं क्योंकि कुछ निर्दयी लोग हमारे बेबी सिंबा की हेल्थ के बारे में लाइक्स और व्यूज पाने के लिए झूठी खबर फैला रहे हैं।'बताते चलें कि 27 जून की रात जिस समय शेफाली जरीवाला की तबीयत बिगड़ी, उस समय पराग सिंबा को टहलाने अपार्टमेंट के नीचे ले गए थे।शेफाली की करीबी दोस्त पूजा घई ने विक्की ललवानी को दिए इंटरव्यू में बताया था कि पराग को हाउसहेल्प ने कॉल कर शेफाली की तबीयत बिगड़ने की जानकारी दी थी। जब वो अपार्टमेंट में पहुंचे तो शेफाली की पल्स चल रही थीं, लेकिन उनकी आंखें बंद थीं। पराग उन्हें अंधेरी के बेवेल्यू हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।शेफाली के निधन की अगली सुबह पराग का घर के बाहर सिंबा को टहलाते हुए एक वीडियो वायरल हो गया था। वीडियो के चलते पराग को आलोचना का सामना करना पड़ा था।

गांधी जयंती पर रिलीज होगी कातारा

नयी दिल्ली।साउथ एक्टर ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांताराः चैप्टर 1' दो अक्तूबर को रिलीज होने जा रही है। एक्टर के जन्मदिन पर मेकर्स की तरफ से फिल्म का नया पोस्टर जारी किया गया है। पोस्टर में ऋषभ एक योद्धा की भूमिका में नजर रहे हैं। लंबे बालों और दाढ़ी वाले लुक में वो चारों तरफ से आग और तीरों से घिरे और खुद को ढाल और कुल्हाड़ी से बचाते हुए नजर आ रहे हैं। जन्मदिन के मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म के प्रोड्यूसर होम्बले फिल्म्स और ऋषभ ने एक साझा पोस्टर जारी किया। मेकर्स ने ऋषभ शेट्टी को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा- 'जहां लीजेंड पैदा होते हैं और जंगली जानवारों की दहाड़ गूंजती है। लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली मास्टरपीस कांतारा का प्रीक्वल।' कन्नड़ भाषा की ये फिल्म गांधी जयंती के मौके पर वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। इस फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और बंगाली भाषा में भी रिलीज किया जाएगा।

कंगना मंडी के बाढ़ प्रभावित इलाके में पहुंचीं,नाराज महिला बोली- फोटो खिंचाने आई हो, बीजेपी सांसद बोलीं- फंड लाऊंगी तो कांग्रेस वाले डकार जाएंगे

हिमांचल। भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट अपने संसदीय क्षेत्र मंडी (हिमाचल प्रदेश) के बाढ़ प्रभावित इलाके सराज पहुंचीं। यहां कंगना पर एक महिला भड़क गई। कंगना से कहा, 'अब सिर्फ फोटो खिंचाने आई हो क्या। ऐसा थोड़ी होता है कि 2 आदमी पकड़ो, फोटो खिंचाओ और चलते बनो।' इस पर कंगना ने महिला से कहा, 'सारे लोग कंगना-कंगना बोलते रहते हैं। मेरे पास कौन सी कोई कैबिनेट है? मेरे पास मेरे 2 भाई हैं, जो मेरे साथ चलते रहते हैं। न ही मेरे पास कोई राहत कोष आता है। मैं स्पेशल पैकेज (फंड) लेकर आऊंगी, लेकिन उसे कांग्रेस सरकार डकार जाएगी।' मंडी में 30 जून की रात से लेकर अब तक 16 जगह बादल फट चुके हैं। बाढ़ में बहने से 14 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 28 लोग अभी भी लापता हैं। कंगना मंडी से सांसद हैं। बाढ़ से हुए नुकसान के बाद वे 6 जुलाई से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं।कंगना रनोट अपने दौरे से पहले सोशल मीडिया पर ट्रोल हुई थीं। कंगना ने एक्स पर लिखा था,

'मैं मंडी क्षेत्र का दौरा कर रही थी। इसी दौरान मेरी गाड़ी पर पत्थर आकर गिरा। यह समय हिमाचल में ट्रैवल के लिए सेफ नहीं है।' इसके बाद लोगों ने मंडी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दौरा न करने पर कंगना पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। इस पर जब पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे मालूम नहीं है। मैं इस बारे में टिप्पणी नहीं करना चाहता। यहां हम लोग हैं। हम उन लोगों के साथ जीने मरने के लिए हैं, जिनका कन्सर्न है। जिनका नहीं है, उनके बारे में मैं टिप्पणी नहीं करना चाहता।' इसके जवाब में कंगना ने कहा था- 'मैंने सराज और मंडी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचने की कोशिश की, लेकिन जयराम ठाकुर ने सलाह दी कि जब तक सड़कें बहाल नहीं हो जातीं, तब तक इंतजार करें।'पिछले साल 31 जुलाई को शिमला के समेज, कुल्लू के बागीपुल और मंडी में एक गांव में बादल फट गया था। तब करीब 51 लोगों की बाढ़ में बहने से मौत हो गई थी। उस दौरान भी कई दिन तक कंगना आपदा प्रभावितों से मिलने नहीं पहुंचीं। तब कंगना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा था, 'मैंने बाढ़ प्रभावित इलाकों के विधायकों और डीसी से बात की, उन्होंने मुझे सलाह दी कि मैं अभी हिमाचल की यात्रा न करूं, क्योंकि कई जगहों पर रेड और ऑरेंज अलर्ट है।' हालांकि कुछ दिन बाद कंगना बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचीं। यहां उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सुक्खू सरकार ने मुझे बाढ़ प्रभावित एरिया में जाने से रोका।कंगना के कैबिनेट वाले बयान पर पीडब्लूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने तंज कसा। विक्रमादित्य सिंह ने अपने फेसबुक अकाउंट पर लिखा, 'किसी की मदद करने के लिए कुर्सी की जरूरत नहीं होती। कैबिनेट हो न हो, दृढ़ इच्छाशक्ति होना आवश्यक है। दुख हुआ देखकर कि कैसे इस सारे विषय का उपहास उड़ाया जा रहा है।' कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि रूलिंग पार्टी की एमपी कहती हैं कि उनके पास डिजास्टर के लिए फंड नहीं है। राहत के लिए पावर नहीं है। कंगना ने जिस तरह हंसते हुए यह बात कही है, यह बहुत ही असंवेदनशील है। एमपी को इस्तीफा दे देना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।